मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 320
शनिवार, 14 जून 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

प्रधानमंत्री मोदी ने इजराइल पीएम नेतन्याहू से बातचीत की, शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली पर दिया जोर

नई दिल्ली, 13 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बताया कि उन्हें इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का फोन आया, जिन्होंने उन्हें ईरानी ठिकानों पर इजरायल के हवाई हमलों के बाद उभरती सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी दी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन कर पश्चिम एशिया में उभरते हालात की जानकारी दी। मोदी ने शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली की आवश्यकता पर बल दिया।

मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का फोन आया। उन्होंने मुझे मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दी। मैंने भारत की चिंताओं को साझा किया और क्षेत्र में शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली की आवश्यकता पर जोर दिया।

इजराइल ने शुक्रवार की सुबह ईरान पर हमला किया जिसमें शीर्ष सैन्य अधिकारी मारे गए और परमाणु और मिसाइल ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिससे पश्चिम एशिया के दो कट्टर विरोधियों के बीच एक व्यापक युद्ध की आशंका बढ़ गई है। यह 1980 के दशक में इराक के साथ युद्ध के बाद ईरान पर सबसे बड़ा हमला था।

इससे पहले दिन में विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत ईरान और इजराइल के बीच हाल के घटनाक्रमों से बेहद चिंतित है और उभरती स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है। भारत ने दोनों पक्षों से तनाव बढ़ाने वाले किसी भी कदम से बचने का आग्रह किया।

पठानकोट में एयरफोर्स के अपाचे हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग, इलाके में मचा हड़कंप

पठानकोट, 13 जून। पंजाब के पठानकोट जिले के नांगलपुर पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत हलेड़ गांव में गुरुवार सुबह भारतीय वायुसेना के अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर ने आपातकालीन लैंडिंग की। शुरूआती रिपोर्टों के अनुसार, किसी के घायल होने या किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

पठानकोट वायुसेना स्टेशन से उड़ान भरने वाले हेलीकॉप्टर को कथित तौर पर तकनीकी दिक्कतों का सामना करने के बाद एहतियातन खुले मैदान में उतरना पड़ा। हेलीकॉप्टर को उतरते देख ग्रामीण मौके पर जमा हो गए, लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत इलाके की घेराबंदी कर दी। अपाचे अल्ह-64ए भारतीय वायुसेना के बेड़े में सबसे परिष्कृत और घातक हेलीकॉप्टरों में से एक है, जो उन्नत लक्ष्यीकरण, नेविगेशन और हथियार प्रणालियों से लैस है। ये हेलीकॉप्टर रक्षात्मक और आक्रामक दोनों तरह के अभियानों में महत्वपूर्ण हैं, जिसमें उच्च ऊंचाई वाले युद्ध भी शामिल हैं। हालाँकि बार-बार आपातकालीन लैंडिंग ने भारतीय वायुसेना के विमानों की यांत्रिक विश्वसनीयता के बारे में चिंताएँ पैदा की हैं, रक्षा विश्लेषकों का कहना है कि ऐसी लैंडिंग मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का हिस्सा हैं और अक्सर बड़ी आपदाओं को रोकने के लिए की जाती हैं।

मथुरा और कानपुर में बनेंगे एकीकृत सरकारी कार्यालय: योगी

लखनऊ, 13 जून। मुख्यमंत्री ने मथुरा-वृंदावन और कानपुर महानगर के लिए तैयार विजन 2030 योजनाओं की समीक्षा की। राज्य सरकार द्वारा यहां जारी एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने कहा कि इन एकीकृत सरकारी कार्यालय परिसरों में अधिवक्ताओं के लिए उपयुक्त चैम्बर, पार्किंग की समुचित व्यवस्था, भोजनालय (फूड कोर्ट) और अन्य नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे कॉम्प्लेक्स प्रशासनिक कार्यों की सुगमता तो बढ़ाएंगे। साथ ही आमजन को अनेक कार्यालयों की परिक्रमा की समस्या से भी मुक्ति मिलेगी। मथुरा-वृंदावन के बारे में में मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत 50 वर्षों में इस क्षेत्र ने अनियोजित विकास और विरासत के क्षरण का दंश झेला है। हर साल करोड़ों श्रद्धालुओं के आवागमन से यातायात और सार्वजनिक सुविधाओं पर भारी दबाव पड़ता है। इससे निपटने के लिए दीर्घकालीन नगर नियोजन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र की सांस्कृतिक और धार्मिक गरिमा को बरकरार रखते हुए समेकित अवसंरचना विकास के जरिये रोजगार के नए अवसर भी सृजित किए जाने चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि मथुरा-वृंदावन के लिए 30,080 करोड़ की अनुमानित लागत से कुल 195 परियोजनाएं प्रस्तावित हैं, जिनमें से 23 पर कार्य आरंभ हो चुका है और शेष 172 प्रक्रियाधीन हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि मथुरा और कानपुर नगरों का यह समग्र विकास विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने का सशक्त माध्यम बनेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने अंबानी परिवार की सुरक्षा हटाने वाली याचिका की खारिज

नई दिल्ली, 13 जून। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उद्योगपति मुकेश अंबानी और उनके परिवार को दी गई 'जेड प्लस' सुरक्षा हटाने की याचिका को सख्ती से खारिज कर दिया। अदालत ने याचिकाकर्ता बिकाश साहा को चेतावनी देते हुए कहा कि बार-बार इसी तरह की निराधार याचिकाएं दायर करना अदालत की प्रक्रिया का दुरुपयोग है और भविष्य में ऐसा करने पर जुमार्ना लगाया जा सकता है। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने की। अदालत ने कहा कि यह बेहद गंभीर मामला है और कोई भी व्यक्ति अदालत की प्रक्रिया को दबाव में नहीं ले सकता।

बिकाश साहा नाम के व्यक्ति ने पहले भी इसी मुद्दे पर दो बार याचिका दायर की थी, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट पहले ही खारिज कर चुका है। साहा ने इस बार फिर से एक पुरानी याचिका में 'स्पष्टीकरण' के नाम पर नया आवेदन दायर किया, जिसमें अंबानी परिवार की सुरक्षा हटाने की मांग की गई थी। लेकिन अदालत ने साफ कर दिया कि साहा को इस मामले में कोई अधिकार नहीं है क्योंकि उनका अंबानी परिवार से कोई संबंध नहीं है।

न्यायमूर्ति मनमोहन ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा, 'कोई भी व्यक्ति यह तय नहीं कर सकता कि किसे कितनी सुरक्षा मिलेगी। यह केंद्र सरकार और राज्य सरकार की जिम्मेदारी है, जो संबंधित सुरक्षा एजेंसियों की रिपोर्ट पर आधारित होती है।' अदालत ने यह भी कहा कि अगर कल को कुछ घटना घट जाती है, तो क्या याचिकाकर्ता इसकी जिम्मेदारी लेगा?

वहीं अंबानी परिवार की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी पेश हुए। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता लगातार इसी तरह की याचिकाएं दायर कर रहा है और यह एक प्रकार से अदालत का समय बर्बाद करना है। उन्होंने अदालत से अनुरोध किया कि इस तरह की याचिकाओं पर रोक लगाने के लिए याचिकाकर्ता पर जुमार्ना लगाया जाए। मामले में सरकार पहले ही यह स्पष्ट कर चुकी है कि अंबानी परिवार को सुरक्षा कड़ी जांच और खुफिया रिपोर्टों के आधार पर दी गई है। अदालत ने यह भी कहा कि इस सुरक्षा का खर्च अंबानी परिवार खुद वहन करता है। सुप्रीम कोर्ट पहले ही फरवरी 2023 के अपने आदेश में यह तय कर चुका है कि अंबानी परिवार को भारत के भीतर ही नहीं, विदेश यात्रा के दौरान भी सुरक्षा दी जाएगी। भारत में उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी महाराष्ट्र सरकार और गृह मंत्रालय की होगी, जबकि विदेश में केवल गृह मंत्रालय इसकी जिम्मेदारी निभाएगा। इस मामले की शुरूआत तब हुई थी जब त्रिपुरा हाई कोर्ट ने जून 2022 में गृह मंत्रालय को आदेश दिया था कि वह अंबानी परिवार की सुरक्षा से जुड़ी सभी फाइलें सीलबंद लिफाफे में अदालत में पेश करे।

वन संरक्षण के साथ ही वन संपदाओं को आजीविका से जोड़ने का प्रयास करें अधिकारी : पुष्कर सिंह धामी

उत्तराखंड, 13 जून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को वनों के संरक्षण के साथ ही वन संपदाओं को लोगों की आजीविका से जोड़ने की दिशा में विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। यहां वन्यजीव बोर्ड की 21वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड वनों की बहुलता वाला प्रदेश है इसलिए वन संपदाओं को आर्थिकी से जोड़ने के प्रयास किये जाने चाहिए। उन्होंने इसके लिए वन विभाग और वित्त विभाग को बैठक करने के निर्देश दिए। धामी ने अधिकारियों को इकोलॉजी और इकोनॉमी में संतुलन बनाते हुए आगामी 10 वर्षों के लिए विस्तृत योजना बनाते हुए वन क्षेत्रों के आस-पास ईको-टूरिज्म की गतिविधियों को बढ़ावा देने को भी कहा। उन्होंने मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को कम करने के साथ ही ऐसी घटनाओं में त्वरित मुआवजा वितरण के लिए डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली लागू करने के भी अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हल्द्वानी में चिड़ियाघर और सफारी के निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि वन विश्राम भवनों का रख-रखाव भी पर्यटकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए किया जाए तथा राजस्व बढ़ाने के प्रयास किये जाएं। उन्होंने ऋषिकेश के निकट चौरासी कुटिया के जीणोर्धार से संबंधित कार्यों में भी तेजी लाने के निर्देश दिये। धामी ने नवाचार पर जोर देते हुए कहा कि उत्तराखण्ड वनों की बहुलता वाला प्रदेश है, इसलिए वन संपदाओं को आर्थिकी से जोड़ने के प्रयास किये जाए, इसके लिए वन विभाग और वित्त विभाग बैठक करें। महासीर के संरक्षण के लिए विशेष प्रयास किये जाएं। बैठक में संरक्षित क्षेत्रों में 10 किलोमीटर की परिधि में आने वाले वन भूमि हस्तान्तरण एवं अन्य प्रकरणों पर कुल 25 निर्णयों पर अनुमोदन दिया गया जिन्हें राष्ट्रीय वन्य जीव बोर्ड को भेजा जायेगा। बैठक में जानकारी दी गई कि विगत तीन वर्षों में 75 हजार से अधिक बंदरों का बंध्याकरण किया जा चुका है जबकि इस वर्ष 27 वन प्रभागों में 40 हजार बंदरों के बंध्याकरण का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में बताया गया कि 2024 में राज्य में चार नये ईको पर्यटन जोन प्रारंभ किये गये हैं।

पाकिस्तान का आतंकवाद को लेकर रिकॉर्ड बहुत स्पष्ट है : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने कहा कि आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान का रिकॉर्ड बहुत स्पष्ट है और पहलगाम हमला सीमापार आतंकवाद का केवल एक हालिया उदाहरण है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां अपने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में यह टिप्पणी की। यह टिप्पणी हाल में अमेरिका के एक शीर्ष जनरल द्वारा वाशिंगटन के भारत और पाकिस्तान के साथ संबंधों पर की गई टिप्पणियों के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में आई। जायसवाल ने कहा, पाकिस्तान का रिकॉर्ड, पाकिस्तान क्या है, यह बहुत स्पष्ट है। उन्होंने कहा, हम सभी जानते हैं कि पहलगाम हमला सीमा पार आतंकवाद का हालिया उदाहरण मात्र है।

मैं आपको याद दिलाना चाहूंगा कि हाल ही में 26/11 के मुंबई हमले के साजिशकताओं में से एक तहव्वुर राणा को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया गया था। जायसवाल ने कहा, जाहिर है, हममें से कोई भी यह नहीं भूला है कि पाकिस्तान ने ओसामा बिन लादेन को शरण दी थी। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि वह व्यक्ति और आप जानते ही होंगे, डॉ. शकील अफरीदी, जिन्होंने ओसामा बिन लादेन का पता लगाने में मदद की थी, अभी भी पाकिस्तानी सेना की कैद में हैं।

आबकारी घोटाले में कांग्रेस कार्यालय कुर्क हुआ

छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ की राजनीति में एक बार फिर से हलचल मच गयी है। काफी दिनों से चल रही छापेमारी के चलते कांग्रेस का सुकमा जिले में बना कार्यालय कुर्क कर दिया गया है। कांग्रेस की छत्तीसगढ़ इकाई ने शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा सुकमा जिले में पार्टी कार्यालय कुर्क किए जाने पर केंद्र सरकार की आलोचना की और इस कदम को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राजनीतिक षडयंत्र का हिस्सा बताया। ईडी ने प्रदेश में पिछली भूपेश बघेल सरकार के दौरान हुए 2100 करोड़ रुपये से अधिक के कथित शराब घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के तहत सुकमा स्थित कांग्रेस पार्टी कार्यालय और विधायक व पूर्व मंत्री कवासी लखमा की कुल 6.15 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है।

एपी मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करे: 9199355950

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर
ARUNODAYA Surgical & Trauma Center

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्या एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)
डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन
डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ
24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
आयुष्मान कार्ड द्वारा नि:शुल्क इलाज की सुविधाएं
Medi Assist STAR
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देकर उजाला बने

-ललित गर्ग

विश्व रक्तदाता दिवस - 14 जून 2025 पर विशेष

किसी के जीवन में रंग भरने का, जीवन और मौत के बीच जूझ रहे लोगों को जीवन देने का और अधिक स्वास्थ्य संकट से घिरे व्यक्ति के जीवन में आशा की किरण बनने का सशक्त माध्यम है रक्तदान। दुनिया भर में अनगिनत लोगों को रक्त की अपेक्षा होती है, इसलिये रक्तदान-महादान है। रक्तदान के महत्व को उजागर करने के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर साल 14 जून को ह्यविश्व रक्तदान दिवसह्ण मनाया जाता है। किसी व्यक्ति के जीवन में रक्तदान के महत्व को समझाने के साथ ही रक्तदान करने के लिये आम इंसान को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के लिये यह दिवस मनाया जाता है। इंसान की सम्पत्ति का कोई मतलब नहीं अगर उसे बांटा और उपयोग में नहीं लाया जाए, चाहे वे शरीर का रक्त ही क्यों न हो। किसी व्यक्ति की रक्तअल्पता के कारण मृत्यु न हो, इस दृष्टि से रक्तदान एक महा-दान है, जो किसी को जीवन-दान देने के साथ हमें स्वर्ग-पथ की ओर अग्रसर करता है। ऐसा दानदाता समाज, सृष्टि एवं परमेश्वर के प्रति अपना कर्त्तव्य पालन करता है। रक्तदाता कोई भी हो सकता है, जिसका रक्त किसी अत्यधिक जरुरतमंद मरीज को दिया जा सकता है। किसी के द्वारा दिये गये रक्त से किसी को नया जीवन मिल सकता है, उसकी जिन्दगी में बहार आ जाती है। इस वर्ष इस दिवस की थीम है ह्यरक्त दें, आशा दें- साथ मिलकर हम जीवन बचाते हैं ह्ण यह थीम रक्तदाताओं के जीवन-परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डालती है, समुदाय और एकता का सम्मान करती है, तथा नए और नियमित रक्तदाताओं दोनों को जीवन बचाने में मदद करने के लिए प्रेरित करती है।

दरअसल विश्व रक्तदान दिवस, शरीर विज्ञान में नोबल पुरस्कार प्राप्त कर चुके वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाइन की याद में पूरे विश्व में मनाया जाता है, उनका जन्म 14 जून 1868 को हुआ था। उन्होंने मानव रक्त में उपस्थित एग्ल्युटिनिन की मौजूदगी के आधार पर रक्तकणों का ए, बी और ओ समूह की पहचान की थी। रक्त के इस वर्गीकरण ने चिकित्सा विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसी खोज के लिए महान वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाइन को साल 1930 में नोबल पुरस्कार दिया गया था। उनकी इसी खोज से आज करोड़ों से ज्यादा लोग रक्तदान रोजाना करते हैं और इसी के कारण लाखों की जिंदगियां बचाई जाती हैं, जिससे रक्त प्राप्त करने वाले व्यक्ति को एक नयी जिंदगी और उनके परिवारों के चेहरे पर एक प्राकृतिक मुस्कुराहट देता है। रक्तदान का महत्व न केवल उन हजारों लोगों के जीवन को बचाना है जो रक्त की कमी या अभाव के कारण जीवन एवं मृत्यु के बीच संघर्षरत हैं, बल्कि विभिन्न बीमारियों से प्रभावित कई अन्य लोगों के जीवन को बचाना और उन्हें अनेक बीमारियों से लड़ने में मदद करना भी है। कल्पना कीजिए कि यह जानकर कैसा महसूस होगा कि आपने किसी की जान बचाई है। आपकी वजह से, कोई व्यक्ति अब अपने परिवार के साथ रह रहा है, पढ़ाई कर रहा है और दुनिया में मौजूद है। यह दिन चुनौतियों को स्वीकार करता है और सुरक्षित रक्त दान को सार्वभौमिक रूप से सुलभ बनाने की दिशा में प्रगति को गति देता है।

इस दिवस को मनाने का एक और महत्वपूर्ण कारण स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देना है। जो यह सुनिश्चित करता है कि दुनिया को सबसे ज्यादा जरूरत पड़ने पर सुरक्षित रक्त मिल सके। यह भी देखा गया है कि जब लोग अपना रक्तदान किया है, तो उन्हें कई स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुए हैं। रक्तदान करने वाले ज्यादातर लोग अपनी बीमारियों से जल्दी ठीक हो जाते हैं और लंबी उम्र जीते हैं, यह वजन घटाने, स्वस्थ लीवर और आयरन के स्तर को बनाए रखने, दिल के दौरे और कैंसर के जोखिम को कम करने में मदद करता है। इस अभियान का उद्देश्य सुरक्षित रक्त और प्लाज्मा दान की निरंतर आवश्यकता के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना, दानकर्ताओं के सकारात्मक प्रभाव पर जोर देना, तथा राष्ट्रीय रक्त कार्यक्रमों में निवेश करने और उन्हें बनाए रखने के लिए सरकारों और विकास भागीदारों से समर्थन जुटाना है।

भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला देश होने के बावजूद रक्तदान में काफी पीछे है। रक्त की कमी को खत्म करने के लिए विश्व भर में रक्तदान दिवस मनाया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के तहत भारत में सालाना एक करोड़ यूनिट रक्त की जरूरत है लेकिन उपलब्ध 75 लाख यूनिट ही हो पाता है। यानी करीब 25 लाख यूनिट रक्त के अभाव में हर साल हजारों मरीज दम तोड़ देते हैं। यह अकारण नहीं कि भारत की आबादी भले ही डेढ़ अरब पहुंच गयी हो, रक्तदाताओं का आंकड़ा कुल आबादी का एक प्रतिशत भी नहीं पहुंच पाया है। वहीं दुनिया के कई सारे देश हैं जो इस मामले में भारत को काफी पीछे छोड़ देते हैं। मालूम हो कि नेपाल में कुल रक्त की जरूरत का 90 फीसदी स्वैच्छिक रक्तदान से पूरा होता है तो श्रीलंका में 60 फीसदी, थाईलेण्ड में 95 फीसदी, इण्डोनेशिया में 77 फीसदी और अपनी निरंकुश हुकूमत के लिए चर्चित बर्मा में 60 फीसदी हिस्सा रक्तदान से पूरा होता है।

रक्तदान को लेकर विभिन्न भ्रांतियां समाज में परिव्याप्त है। रक्त की महिमा सभी जानते हैं। रक्त से आपकी जिंदगी तो चलती ही है साथ ही कितने अन्य के जीवन को भी बचाया जा सकता है। भारत में अभी भी बहुत से लोग यह समझते हैं कि रक्तदान से शरीर कमजोर हो जाता है और उस रक्त की भरपाई होने में महीनों लग जाते हैं। इतना ही नहीं यह गलतफहमी भी व्याप्त है कि नियमित रक्त देने से लोगों की रोगप्रतिरोधक क्षमता कम होती है और उसे बीमारियां जल्दी जकड़ लेती हैं। यहाँ भ्रम इस कदर फैला हुआ है कि लोग रक्तदान का नाम सुनकर ही सिहर उठते हैं। भारतीय रेडक्रास के अनुसार देश में रक्तदान को लेकर भ्रांतियाँ कम हुई हैं पर अब भी काफी कुछ किया जाना बाकी है। किसी व्यक्ति को रक्त की आवश्यकता क्यों होती है इसके विभिन्न कारण हैं। एक बीमारी, दुर्घटना असाध्य ओपरेशन कुछ भी हो सकती है, लेकिन यह महत्वपूर्ण है।

रक्तदान करते हुए डोनर के शरीर से केवल 1 यूनिट रक्त ही लिया जाता है। एक बार रक्तदान से आप 3 लोगों की जिंदगी बचा सकते हैं। ब्लड डोनेशन की प्रक्रिया काफी सरल होती है और रक्त दाता को आमतौर पर इसमें कोई तकलीफ नहीं होती है। रक्त दाता का वजन, पल्स रेट, ब्लड प्रेशर, बॉडी टेम्परेचर आदि चीजों के सामान्य पाए जाने पर ही डॉक्टर्स या ब्लड डोनेशन टीम के सदस्य आपका ब्लड लेते हैं। पुरुष 3 महीने और महिलाएं 4 महीने के अंतराल में नियमित रक्तदान कर सकती हैं। यदि आप स्वस्थ हैं, आपको किसी प्रकार का बुखार या बीमारी नहीं है, तो ही आप रक्तदान कर सकते हैं। रक्तदान खुशी देने एवं खुशी बटोरने का एक जरिया है। एक चीनी कहावत- पुष्प इकठ्ठा करने वाले हाथ में कुछ सुगंध हमेशा रह जाती है। जो लोग दूसरों की जिंदगी रोशन करते हैं, उनकी जिंदगी खुद रोशन हो जाती है। रक्तदान ऐसा पुण्य है जो किसी को नयी जिन्दगी देता है तो खुद को भी खुशी का अहसास कराता है।

रक्तदान पूरे विश्व में मनाये जाने वाले महत्त्वपूर्ण दिवसों में से एक है। कोई भी व्यक्ति चाहे, वह किसी भी उम्र, जाति, धर्म और समुदाय का हो, वह रक्तदान कर सकता है। भारत महर्षि दधीचि जैसे ऋषियों का देश है, जिन्होंने एक कबूतर के प्राणों व असुरों से जन सामान्य की रक्षा के लिये अपना देहदान कर दिया था। परंतु समय के साथ भारत में रक्तदान की प्रवृत्ति में गिरावट देखी गई। निश्चित तौर पर रक्तदान करके किसी अन्य व्यक्ति की जिंदगी में नई उम्मीदों का सवेरा लाया जा सकता है। इस तरह रक्तदान करने से एक प्रेरणादायी शक्ति पैदा होती है, जो अद्भुत होती है, यह ईश्वर के प्रति सच्ची प्रार्थना है। इस तरह की उदारता व्यक्ति की महानता का द्योतक है, जो न केवल आपको बल्कि दूसरे को भी प्रसन्नता, जीवनऊर्जा एवं जीवन प्रदान करती है।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना दुखद व दुर्भाग्यपूर्ण

अशोक भाटिया

गुजरात के अहमदाबाद विमान हादसा रोंगटे खड़े करने वाला था. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पहले हमें आसमान में काला धुआं दिखा, तो लगा कि कहीं आग लगी होगी. इसके बाद पता चला कि एयर इंडिया का विमान क्रैश हो गया. विमान में बहुत से लोग सवार थे. ऐसे में किसी का बच पाना मुश्किल था. घटनास्थल से महज दो किलोमीटर दूर रहने वाले जयराम रमेश ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया कि प्लेन क्रैश के बारे में आसपास के लोगों को जैसे ही जानकारी मिली, तो सभी सहम गए. पहले बताया गया कि एयर इंडिया का विमान क्रैश हो गया, कोई भी बच नहीं पाएगा.इनमें 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक था। हादसे में किसी के भी बचे होने की उम्मीद ना के बराबर है। यात्रियों में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपानी भी थे। ज्यादातर शव इतनी बुरी तरह झुलस चुके हैं कि उनकी पहचान करने में बेहद मुश्किल आ रही है। उनकी पहचान डीएनए टेस्ट के बाद ही संभव होगी। आश्चर्य जनक केवल यह है कि इसमें से एक यात्री बच गया .

दुनियाभर के विमानों पर नजर रखने वाली फ्लाइट रडार के मुताबिक, प्लेन ने दोपहर 1.38 बजे उड़ान भरी थी। प्लेन का एक वीडियो वायरल हो गया है ।इसमें लैंडिंग गियर (टायर) खुले दिखाई देते हैं। विमान धीरे-धीरे नीचे जाता है और आग की लपटें उठने लगती हैं। लंदन के लिए लंबी दूरी की उड़ान टेकऑफ से पहले ईंधन से भरी हुई थी। वीडियो देखने से एक बात साफ है कि विमान को इंजन से थ्रस्ट (ऊपरी शक्ति) नहीं मिलती है और वह ऊंचाई नहीं बढ़ा सकता है।

वीडियो में इंजन में आग या धुआं नहीं दिख रहा है। तो यह कहा जा सकता है कि पक्षियों का झुंड विमान से टकराया और इंजन में फंस गया। विमान के कॉकपिट की जांच से दुर्घटना के सही कारण का पता चलेगा। अहमदाबाद हवाई अड्डे के बंद होने का मतलब है कि जांच दल रनवे की जांच कर सकता है। उसका भी पता लगाया जा रहा है। टेक-ऑफ के दौरान हुआ हादसा भयानक है। क्योंकि यह ईंधन से भरा है। वीडियो देखने के बाद एक बात स्पष्ट हो जाती है कि विमान के पंख सपाट हैं और संतुलन ठीक है; लेकिन यह नीचे गिर रहा है। इससे पता चलता है कि विमान ऊंचाई खो रहा है।

उसे ऊपर जाने के लिए इंजन से बिजली नहीं मिलती है। विमान के टेक-ऑफ में एक गंभीर चरण होता है। यहां तक कि अगर पायलट को इसे पार करने के बाद कोई समस्या मिलती है, तो भी वह टेक-ऑफ को रोक नहीं सकता है। क्योंकि उस स्थिति में अधिक नुकसान हो सकता है। यदि विमान का एक इंजन काम कर रहा है, तो पायलट विमान को ऊंचाई पर ले जा सकता था और आपात स्थिति में उसे उतार सकता था। इसका मतलब है कि विमान के दोनों इंजन विफल हो गए और वे दुर्घटनाग्रस्त हो गए। यह किसी त्रुटि या विद्युत विफलता के कारण हो सकता है। विमान उड़ाते समय श१ और श२ गति होती है। श१ गति में, पायलट उड़ान भरने का फैसला करता है। रनवे छोड़ने के बाद, श२ गति के दौरान टेक-ऑफ को रद्द नहीं किया जा सकता है। एयर इंडिया के विमान ने रनवे से उड़ान भरी, जिसका अर्थ है कि श१ गति तक सब कुछ ठीक था। पायलट ने श२ गति के साथ एक समस्या देखी होगी; लेकिन आपातकाल के बाद भी वह उड़ान रद्द नहीं कर सके।

अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के बाद पायलट ने मेयडे कॉल का मैसेज एटीसी को भेजा, जिसके बाद संपर्क टूट गया, इसलिए फ्लाइट में दिक्कत का तुरंत पता नहीं चल सका। लेकिन दुर्घटना के समय विमान के लैंडिंग गियर (टायर) उजागर हो गए थे और टेक-ऑफ के समय विंग फ्लैप स्थिति में थे; लेकिन पायलट विमान को 600 से 700 फीट की ऊंचाई पर नहीं उठा पाया। दोनों इंजनों से बिजली न मिलने के कारण उसने विंग लेवल को मेंटेन करते हुए असाधारण उड़ान कौशल दिखाया है।

पायलट के अनुभव में, इस दुर्घटना में मानवीय त्रुटि की संभावना बहुत कम लगती है। यहां तक कि अगर एक इंजन विफल हो जाता है, तो विमान को दूसरे इंजन पर संभाला जा सकता है। विमान दुर्घटना का मतलब है कि दोनों इंजन बिजली प्रदान नहीं कर सकते हैं। अहमदाबाद विमान दुर्घटना से पहले पायलट ने तीन बार संकेत दिया। अधिकांश आधुनिक विमानों में कंप्यूटर नियंत्रित इंजन होते हैं। इसलिए, कोई कारण नहीं बताया जा सकता है कि इंजन काम क्यों नहीं करता है। एक कारण ईंधन हो सकता है। लेकिन इस विमान में उनमें से बहुत सारे थे।

दूसरा कारण यह हो सकता है कि पाइपलाइन में ब्लॉक होने के कारण इंजन तक ईंधन नहीं पहुंच रहा था। तीसरा कारण यह हो सकता है कि कंप्यूटर को सही इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल नहीं मिले। लंदन के लिए उड़ान भरने से पहले विमान अहमदाबाद में कुछ घंटों के लिए जमीन पर था। माना जाता है कि एयर इंडिया के इंजीनियरों ने इस अवधि के दौरान सब कुछ देखा है। दूसरी ओर, एयरलाइंस का लक्ष्य हवाई यातायात में वृद्धि के कारण विमान और श्रमिकों का उपयोग करने वाली एयरलाइनों की लागत को कम करना है। पायलटों और कर्मचारियों के पास अब लंबे समय तक काम करने का सप्ताह है और इसलिए अधिक कार्यभार है। परिणामस्वरूप, दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। थकान से संबंधित सुरक्षा दुर्घटनाओं की संख्या में वृद्धि हुई है और कर्मचारी अब परिचालन संबंधी त्रुटियों को जिम्मेदार ठहराते हैं जैसे कि गलत रनवे पर उतरना या ईंधन को गलत तरीके से पढ़ना तनाव और नींद की कमी को जिम्मेदार ठहराता है। भारतीय एयरलाइनों की सुरक्षा अन्य एयरलाइनों की तुलना में दुनिया के समग्र विमानन में कुछ हद तक उपेक्षित है। हालांकि, विमान दुर्घटनाओं की संख्या में कमी नहीं आई है, पिछले दो दशकों में 21-23 प्रतिशत प्रमुख विमान दुर्घटनाओं को जांच का एक संभावित कारण निर्धारित किया गया है। 2020 में, यूरोपीय विमानन सुरक्षा एजेंसी ने बड़े विमानों के लिए शीर्ष सुरक्षा समस्या के रूप में 'बड़े विमानों के लिए कल्याण और फिटनेस स्थिति' की पहचान की।

2010 में एयर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट 812 की भयानक दुर्घटना इस बात का उदाहरण है कि पायलट की थकान का विमान के सुरक्षित संचालन पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। जब मंगलुरु में उतरते समय 166 यात्रियों को ले जा रहा एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 158 लोग मारे गए। वास्तव में, कप्तान के खर्राटों की आवाज को पहली बार कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर द्वारा रिकॉर्ड किया गया था। दुनिया की सबसे सुरक्षित एयरलाइन में किसी भी भारतीय एयरलाइन का नाम नहीं लिया गया है।

हर साल, एयरलाइन विशेषज्ञों की एक टीम दुनिया में 400 एयरलाइनों की सुरक्षा की जांच करती है। यह पिछले दो वर्षों में 400 एयरलाइनों की सुरक्षा का आकलन करती है। विमान दुर्घटनाओं की संख्या, दुर्घटनाओं की कुल संख्या, सरकारी रिपोर्ट, जीवन और विमान की संख्या, पायलट प्रशिक्षण की गुणवत्ता और एयरलाइन की वित्तीय स्थिति। कंपनियों की लिस्ट जारी कर दी गई है।

लिस्ट में एक भी भारतीय एयरलाइन का नाम नहीं लिया गया है, जिससे सवाल उठ रहे हैं कि भारतीय यात्री हवाई यात्रा में कितने सुरक्षित हैं। हालांकि, भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो को कम लागत वाली एयरलाइनों की सूची में 19वां स्थान दिया गया है। पांच अमेरिकी एयरलाइंस को इस वर्ष शीर्ष 24 सबसे सुरक्षित एयरलाइनों में शामिल किया गया है, जिसमें फ्रंटियर (नंबर 5), साउथवेस्ट (नंबर 9), सन कंट्री (नंबर 15), जेटब्लू (नंबर 17) और एलिगेंट एयर (21 वां) शामिल हैं।

यह हर साल 400 एयरलाइनों का विश्लेषण करता है और उनके विभिन्न सुरक्षा मानकों की जांच करता है। यह प्रमुख दुर्घटनाओं, कुल घटना आवृत्ति, हाल की दुर्घटनाओं, विमान की जीवन प्रत्याशा, लेखा परीक्षा और विमान की कुल संख्या, पायलट प्रशिक्षण की गुणवत्ता और वित्तीय स्थिति के आधार पर रेटिंग देता है। किसी भी कंपनी में वित्तीय अस्थिरता एयरलाइन के लिए गंभीर परिचालन चुनौतियां पैदा कर सकती है। उसकी सुरक्षा रैंकिंग भी प्रभावित हो सकती है। यही वजह है कि वित्तीय संकट से जूझ रही एयरलाइंस इस सूची में जगह नहीं बना पाती हैं।

भारत मे जैसे कि पहले बताया विमान दुर्घटना के चार्ट में कुछ एक दुर्घटनाओं को छोड़ कर नंबर बहुत ही पीछे है . देखा जाय तो घाटकोपर में दुर्घटनाग्रस्त हुआ विमान एक छोटा चार्टर विमान था। किंग एयर चार्टर विमान एक परीक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। भारत में पहली विमान दुर्घटना 1938 में हुई थी। मध्य प्रदेश के दतिया के पास एयर फ्रांस पोटेज विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सात लोग मारे गए। पिछले 15 वर्षों में भारत की दूसरी बड़ी दुर्घटना मई 2010 में कर्नाटक के मंगलुरु में हुई थी। फरवरी 1990 में, एक एयरबस ए 320 रनवे से फिसल गया और बेंगलुरु में उतरते समय एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 92 लोग मारे गए। पायलट की गलती से अब तक कई दुर्घटनाएं हुई हैं।

एयर इंडिया फ्लाइट 182 को तब आयरलैंड के तट से अटलांटिक महासागर में एक बम विस्फोट में उड़ा दिया गया था, जिसमें 329 लोग मारे गए थे। पायलट की गलती को विमान दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों में से एक माना जाता है। दुर्घटनाएं तब होती हैं जब पायलट टेकऑफ के दौरान रनवे की गति, लिफ्ट-ऑफ पॉइंट या पिच कोण को गलत समझते हैं। अंतरराष्ट्रीय विमानन रिपोर्टों के अनुसार, दुनिया भर के आंकड़ों के अनुसार, टेकऑफ और लैंडिंग के दौरान अधिकांश दुर्घटनाओं का कारण मानवीय त्रुटि भी रही है, जिसमें 65% टेकऑफ दुर्घटनाएं मानवीय त्रुटि के कारण, तकनीकी विफलताओं के कारण 20%, मौसम के कारण 10% और अन्य कारणों से 5% हैं। अहमदाबाद विमान दुर्घटना का पायलट सुमित सभरवाल आज दुनिया में नहीं है। यह कहना संभव नहीं है कि वास्तव में क्या हुआ, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से हवाई यात्रियों की संख्या में वृद्धि हुई है, उसे देखते हुए भविष्य में दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रौद्योगिकी का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाना चाहिए। जीवन की लागत बहुत बड़ी है। यह एक पल में संभव नहीं था। विमान दुर्घटना में ऐसा हो सकता है। एयरलाइंस के साथ-साथ केंद्र सरकार को भी हादसों से बचने के लिए ज्यादा ध्यान देना चाहिए।

एआई 171 हादसा : सिस्टम नहीं बदला, तो हादसे रूटीन बन जाएंगे

सुरेश गांधी

अहमदाबाद में 12 जून बुधवार दोपहर 12:47 पर जब एआई171 उड़ान भरने को तैयार थी, तब किसी को अंदाजा नहीं था कि चंद मिनटों में यह उड़ान इतिहास की सबसे दर्दनाक त्रासदियों में बदल जाएगी। 43ट सी तापमान, फुल लोडेड बोइंग 787 ड्रीमलाइनर, और 10 क्रू व 232 यात्री, लेकिन टेकऑफ के 5 मिनट बाद ही, विमान महज 825 फीट की ऊंचाई पर रह गया और मेघानी नगर की बस्तियों पर आ गिरा। अब सवाल हैः किसकी गलती थी? तकनीक की या इंसान की? जबकि गतिः सिर्फ 174 नॉट्स (787 के लिए न्यूनतम), ऊंचाईः केवल 825 फीट. लैंडिंग गियर ऊपर नहीं हुआ, मेडे कॉल रिकॉर्ड हुई, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी. मतलब साफ है या तो पायलट भूल गए, या इमरजेंसी के कारण जानबूझकर ऊपर नहीं किया। इन तीनों संकेतों से यह साफ झलकता है कि टेकऑफ सेटिंग, जिसमें फ्लैप्स, इंजन थ्रस्ट, रोटेशन स्पीड और गियर शामिल होते हैं, में कहीं न कहीं कॉन्फिगरेशन एरर हुई। यही त्रासदी की सबसे बड़ी संभावना मानी जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, ये सभी संकेत एक कॉन्फिगरेशन एरर यानी टेकऑफ से पहले सेटिंग में गड़बड़ी की ओर इशारा करते हैं। बता दें, टेकऑफ के समय पायलट्स को कई चीजें एकदम सटीक तरीके से करनी होती हैं, फ्लैप सेटिंगः लिफ्ट पाने के लिए जरूरी. थ्रस्ट सेटिंगः ज्यादा तापमान में ज्यादा ताकत चाहिए, रोटेशन स्पीडः यदि समय से पहले नोज उठाया गया, तो विमान अस्थिर हो सकता है. गियर अपः उड़ान के तुरंत बाद गियर ऊपर न करना घातक हो सकता है. इनमें जरा सी चूक पूरे विमान को नीचे खींच सकती है।

फिरहाल, हादसे की प्रारंभिक जांच और उपलब्ध डेटा से जो तस्वीर उभरती है, वह चैंकाने वाली है. विमान टेकऑफ के 5 से 9 मिनट के भीतर ही 174 नॉट्स (320 किमी/घंटा) की गति पर था, जबकि इस वजन पर उसे कम से कम 200 से 250 नॉट्स चाहिए होती है। ऊँचाई मात्र 825 फीट तक पहुंच पाई। लैंडिंग गियर नीचे ही था, हालांकि अहमदाबाद उस दिन 43ट की गर्मी में झुलस रहा था। गर्म हवा पतली होती है, जिससे न तो लिफ्ट बनती है, न इंजन को पूरा जोर मिलता है। ऐसी स्थिति में टेकऑफ सेटिंग्स का सटीक होना जरूरी होता है. छोटी-सी चूक भी घातक साबित हो सकती है। संभावना है कि पायलट्स ने या तो फ्लैप्स की गलत सेटिंग ली, या इंजन की ताकत (थ्रस्ट) को कम (डीराटेड थ्रस्ट) रखा। अगर टेकऑफ रनवे का पूरा हिस्सा नहीं लिया गया हो (जैसे इंटरसेक्शन टेकऑफ), तो स्थिति और बिगड़ जाती है। खास यह है कि इस विमान को उड़ा रहे थे कैप्टन सुमीत सभरवाल और फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर. दोनों ही अनुभवी पायलट्स। फिर भी ऐसा क्यों हुआ? ये बड़ा सवाल है. विशेषज्ञ मानते हैं कि हो सकता है किसी चेतावनी (वारनिंग), एटीसी कम्युनिकेशन या इलेक्ट्रॉनिक चेकलिस्ट की जल्दबाजी में मानव त्रुटि हो गई हो। क्या वीआर यानी रोटेशन स्पीड का आंकलन गलत था? क्या किसी स्टॉल अलर्ट के कारण ध्यान भटका? क्या क्रू रिसोर्स मैनेजमेंट (सीआरएम) में कमी थी? क्या चेकलिस्ट फॉलो नहीं की गई? क्या गलत डेटा एफएमएस में डाला गया? क्या थकान या प्रेशर था? ऐ ऐसे सवाल है जो आज की उड़ानों में क्रू रिसोर्स मैनेजमेंट (सीआरएम) बेहद जरूरी है। यदि कोई एक पायलट गलती करे और दूसरा विरोध न करे, तो हादसा तय है। जो भी हो, यह साफ है कि पायलट्स का फोकस या तो बंटा हुआ था या उन्हें पूरी परफॉर्मेंस नहीं मिल रही थी। हालांकि हादसे से पहले एक मेडे कॉल भी की गई थी। मतलब साफ है पायलट्स को स्थिति की गंभीरता का एहसास हो गया था। लेकिन सिर्फ 5-9 मिनट में, वह कुछ कर नहीं सके। विमान गिर पड़ा।

दुसरा बड़ा सवाल है इंजन फेल? बर्ड स्ट्राइक? या कुछ और? जहां तक इंजन फेलियर का सवाल है तो मेडे कॉल और धीमी गति इस पर संकेत देते हैं, पर दोनों इंजन साथ फेल होना असंभव नहीं तो दुर्लभ जरूर है। बर्ड स्ट्राइकः अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास यह खतरा मौजूद रहता है, लेकिन अभी तक पुष्टि नहीं हुई। तकनीकी फेलियरः अभी तक कोई साक्ष्य नहीं मिला है, जांच के बाद ही इस पर कुछ कहा जा सकता है। संभावित कारणों में मानवीय चूक/कन्फिगरेशन गलती 70 से 80 फीसदी, इंजन फेल या पावर लॉस 10 से 15 फीसदी, मौसम/गर्मी से प्रदर्शन में गिरावट 5 से 10 फीसदी तकनीकी खामी 2 से 3 फीसदी व आतंकी हमला/साजिश से भी इनकार नहीं किया जा सकता। यदि टेकऑफ कन्फिगरेशन में गलती हुई, तो यह केवल पायलट्स की नहीं, बल्कि सिस्टम की असफलता है. जहाँ चेकलिस्ट, और ट्रेनिंग को दोहराने की बजाए, ह्यरूटीनह्ण बना लिया गया। ह्लयह महज तकनीकी मामला नहीं. यह उस प्रणाली पर सवाल है जो अनुभव, प्रशिक्षण और सुरक्षा को फॉर्मैलिटी मान बैठी है।ह्व जब तक यह देश विमानन को केवल यात्रा और आंकड़े समझता रहेगा, हादसे आँकड़े नहीं, जिंदगियां निगलते रहेंगे। हर विमान हादसे के बाद वही सवाल उठते हैं, ह्लक्यों हुआ?ह्व, ह्लकौन जिम्मेदार?ह्व, और सबसे बड़ा सवाल ह्लआखिर कब तक?ह्व तकनीकी प्रगति, अंतरराष्ट्रीय मानक, और सुरक्षा प्रणालियों के बावजूद भी भारत समेत दुनियाभर में विमान हादसे थम नहीं रहे। बीते वर्षों में हुई घटनाएं बताती हैं कि समस्या कहीं न कहीं प्रणालीगत और मानवीय चूक से जुड़ी है। यह रिपोर्ट न केवल भारत, बल्कि वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भी विमान सुरक्षा की मौजूदा हालत को उजागर करती है।

तिसरा बड़ा सवाल है क्या हम हर उड़ान के साथ अपनी जान दांव पर लगा रहे हैं? क्या सरकार और एजेंसियां सिर्फ हादसे के बाद ही जागती हैं? अगर कनाडा में 1985 में हुआ आतंकी बमकांड अब तक नहीं भुलाया गया, तो क्या अहमदाबाद को भी हम सिर्फ आंकड़ों में गिनेंगे? फिरहाल, इस भीषण विमान हादसे ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है. इस हादसे की खबर सुनकर हर कोई स्तब्ध रह गया है. विमान में सवार यात्रियों और चालक दल के सदस्यों के परिवारों के लिए यह खबर किसी बड़े झटके से कम नहीं है. देशभर के लोग इस हादसे के बारे में सुनकर दुख और चिंता में हैं. बता दें, लंदन जा रही एयर इंडिया की एक फ्लाइट क्रैश हो गई. इस विमान में 242 लोग सवार थे, जिनमें 2 पायलट और 10 केबिन क्रू सदस्य शामिल हैं. हादसा अहमदाबाद के मेघानीनगर में हुआ है. देखा जाएं तो यह पहला मामला नहीं है जब बोइंग के विमान क्रैश हुए हों. इससे पहले कई बार बोइंग के विमान क्रैश हो चुके हैं. इससे ठीक पहले साल 2024 में साउथ कोरिया में बोइंग का विमान क्रैश हुआ था, जिसमें लगभग 180 लोगों की जान चली गई. इसमें बोइंग का 737-800 एयरक्राफ्ट शामिल था, जो 737 मैक्स का एक नया वर्जन है.

वहीं पिछले साल जनवरी में एक अलग घटना में उड़ान के दौरान एक 737 मैक्स के दरवाजे का प्लग उड़ गया था. इसके अलावा, 2018 और 2019 में भी बोइंग 737 मैक्स का विमान क्रैश हुआ था, जिनमें लायन एयर फ्लाइट 610 और इथियोपियन एयरलाइंस फ्लाइट 302 शामिल थीं, जिसके कारण विमान को बोइंग के इस विमान को रोकना पड़ा था और कंपनी को 30 अरब डॉलर तक का नुकसान हुआ था. 2018 और 2019 की दुर्घटना के दौरान 189 और 157 लोगों की जान गई थी. हालांकि अभी यह बोइंग 737- 800 से परिचालन में है. अहमदाबाद की उड़ती मौत ने फिर दिखा दिया कि आसमान में उड़ान अब महज विकास की निशानी नहीं, बल्कि चुनौतीपूर्ण जोखिम बन चुकी है। तकनीक, सुरक्षा और जिम्मेदारीः इन तीनों के तालमेल के बिना कोई भी उड़ान ह्लउड़ता ताबूतह्व बन सकती है। क्या हमारा आसमान अब सुरक्षित नहीं रहा? क्या हर उड़ान एक जुआ बन चुकी है? विमान दुर्घटना होने के बाद जाँच समिति तो बनती है, पर क्या उसके सुझाव लागू होते हैं? डीजीसीए (नागर विमानन महानिदेशालय) की निरीक्षण प्रणाली कितनी प्रभावशाली है? विमानन कंपनियां सुरक्षा की बजाय मुनाफे को तरजीह क्यों देती हैं? पायलटों की ट्रेनिंग और कार्य घंटे को लेकर क्या वाकई सख्ती है? अहमदाबाद की इस ह्यउड़ती मौतह्ण ने एक बार फिर देश को सोचने पर मजबूर कर दिया है, क्या हम आधुनिकता की दौड़ में सुरक्षा को भूल चुके हैं? जब तक हादसे नहीं होते, तब तक सुधार क्यों नहीं होते? अब वक्त आ गया है कि भारत अपनी एविएशन सुरक्षा को सिर्फ कागजों में नहीं, रनवे और कॉकपिट तक गंभीरता से ले।

जब आसमान टूटा जमीन परह्ल

एक हादसा जो सिर्फ. शरीर नहीं, सपनों और भविष्य को भी जला गया. इस त्रासदी की गहराई केवल यहां तक सीमित नहीं थी। जहां विमान गिरा, वह कोई सुनसान जमीन नहीं थी। वह स्थान था एसजी मेडिकल यूनिवर्सिटी के एमबीबीएस स्टूडेंट्स हॉस्टल का परिसरःएक ऐसी जगह, जहाँ भारत का भविष्य किताबों और उम्मीदों के पन्नों में रचा जा रहा था। एक ओर वे यात्री थे, जो सपनों के साथ लंदन रवाना हुए थे द नौकरी, पढ़ाई, या अपनों से मिलने की आस लेकर। दूसरी ओर वे छात्र थे, जो डॉक्टर बनने का सपना लिए डठठै के पहले, दूसरे और तीसरे वर्ष की पढ़ाई में डूबे थे। एक ही क्षण ने दोनों दिशाओं को उजाड़ दिया। करीब 180 से अधिक लोगों की तत्काल मृत्यु की पुष्टि की जा चुकी है, जिनमें हॉस्टल में रह रहे 41 मेडिकल छात्र भी शामिल हैं। कई अब भी मलबे में दबे हैं।

अब लौटेगा तो सिर्फ.सामान, बेटा नहीं

घटनास्थल पर मौजूद रहे 60 वर्षीय रामस्वरूप सिंह, जो अपने बेटे से मिलने आए थे, टूटे शब्दों में कहते हैं ह्लमैंने तो कहा था बेटा आज छुट्टी ले लो, लेकिन उसने कहा पापा, आज लैब क्लास है, मिस नहीं कर सकता, अब कभी मिस नहीं करेगा, क्योंकि अब वो है ही नहीं। मौके पर राहत व बचाव, लेकिन बहुत देर हो चुकी थी. दमकल और एनडीआरएफ की टीम ने 20 मिनट के भीतर पहुंचकर बचाव अभियान शुरू किया। हालांकि जिस गति से विमान हॉस्टल भवन से टकराया, वह किसी को भी पल भर में लीलने के लिए काफी थी।अब तक 198 शव बरामद किए जा चुके हैं, जिनमें कई की शिनाख़्त तक संभव नहीं हो पा रही है।

आज किताबें नहीं खुलेंगी

एसजी मेडिकल यूनिवर्सिटी ने तीन दिन के शोक की घोषणा की है। हॉस्टल के बचे छात्र अभी भी सदमे में हैं। कॉरिडोर में बिखरे किताबों के पन्ने, जली हुई मेडिकल किट्स, और दीवार पर टंगी तस्वीरेंः यह सब गवाही दे रही हैं कि मौत सिर्फ. शरीर नहीं ले गई, सपने भी जलाकर चली गई। अंत में बस यही सोच कर रुक जाती है कलम ह्लउन माओं की क्या गलती थी, जिन्होंने बच्चों को डॉक्टर बनते देखने का सपना देखा था?ह्व ह्लउन बेटियों की क्या कसूर था, जो पहली बार फ्लाइट में बैठी थीं?ह्व शायद जवाब कभी न मिले३ लेकिन सवाल हमेशा रहेंगे।ईश्वर सभी दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करे। और हम सभी को ये सीख दे कि जीवन कभी स्थायी नहीं होता, इसलिए हर दिन को आखिरी की तरह जियो और अपनों को गले लगाओ, जब तक वो हैं।

आखिर बोइंग के विमानों में क्या है खराबी?

जब बोइंग के विमान लगातार क्रैश हो रहे थे तो बोइंग 73.7 मैक्स की जांच की गई. जांच से मैन्युवरिंग कैरेक्टरिस्टिक्स ऑग्मेंटेशन सिस्टम (एमसीएएस) से जुड़ी एक समस्या सामने आई. इस सिस्टम ने मैनुअली लैंडिंग पर निर्भरता कम कर दी थी, लेकिन पायलटों को इसके बारे में ज्यादा ब्रीफिंग नहीं की गई थी. आलम ये हुआ कि 2018 और 2019 में 346 यात्री और क्रू मेंबर्स की जान चली गई. इस हादसे के बाद इस विमान का संचालन रोक दिया गया था. बाद में इसे अपडेट करके बोइंग 737-800 के नाम से परिचालन में लाया गया. खास यह है कि बोइंग का विमानय बम का गोला बनकर उड़ता है. अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश में बोइंग का 787 ड्रीमलाइनर इसका ताजा उदाहरण है. जिसकी पहले कभी क्रैश होने की कहानी नहीं रही है. ब्लैक बॉक्स मिलने के बाद अहमदाबाद हादसे का खुलासा हो सकेगा. एक रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी आंकड़ों के अनुसार बोइंग विमान दुनिया भर में लगभग 6,000 दुर्घटनाओं और घटनाओं में शामिल रहे हैं, जिनमें से 415 घातक थीं और 9,000 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई है. दुनियाभर में फ्लाइट वाले हजारों यात्री विमानों में से कम से कम 4000 से ज्यादा विमान बोइंग 737-800 हैं. एनवाईटी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया, यूरोप और उत्तरी अमेरिका कुछ प्रमुख .महाद्वीप हैं, जहां बोइंग विमानों का इस्तेमाल किया जाता है. 2023 में भी एक उड़ान के दौरान 737 मैक्स विमान के दरवाजे का प्लग उड़ गया था. इस तरह की घटनाएं बताती हैं कि तकनीकी खामियां अभी भी बोइंग के विमानों में लगातार सामने आ रही हैं.

क्या हम सबक नहीं ले रहे?

भारत में इससे पहले भी कई भयावह विमान हादसे हो चुके हैं, जो या तो तकनीकी लापरवाही के कारण हुए या सुरक्षा तंत्र की चूक का नतीजा रहेः 1985 एयर इंडिया कनिष्क (अटलांटिक) बम विस्फोट में 329 लोग मारे गए। 1988 इंडियन एयरलाइंस 113 (अहमदाबाद) में रनवे से पहले गिरे विमान में 133 लोग मारे गए। 2010 एयर इंडिया एक्सप्रेस (मंगलौर) रनवे से फिसलकर खाई में गिरे विमान से 158 लोग मारे गए। 2020 में कोझिकोड हादसा में रनवे पर क्रैश विमान में 21 लोग मारे गए। 2021 में सेना का एमआई-17 चॉपर, सीडीएस जनरल बिपिन रावत की मृत्यु सहित तमिलनाडु के 13 लोग मारे गए। 1978 मुंबई इंडियन एयरलाइंस 213 मृत रनवे से फिसला, 1996 चर्खी दादरी, हरियाणा सऊदी व कजाख विमान हादसा 349 मृत हवा में टकराव, 2000 में पटना में इंडियन एयरलाइंस में 60 मृत, कारण खराब मौसम, पायलट त्रुटि, 2010 मैंगलोर एयर इंडिया एक्सप्रेस 158 मृत रनवे से फिसलना, पायलट की गलती, देखा जाएं तो भारत में हर साल औसतन 15 से अधिक एविएशन घटनाएं होती हैं। 17 जुलाई 2000 को एलायंस एयर की फ्लाइट नंबर 7412 पटना में दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी. यह विमान कोलकाता से दिल्ली जा रहा था और पटना इसका स्टॉपेज था. जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने के दौरान विमान पटना के गर्दनीबाग इलाके में गिर गया था. 2021 से 2024 के बीच 62 सुरक्षा संबंधित चेतावनियां जारी की गईं, लेकिन कार्रवाई नगण्य। अधिकांश निजी व चार्टर्ड विमानों के मेंटेनेंस रिकॉर्ड अपूर्ण हैं। पायलट थकान, एयर ट्रैफिक ओवरलोड, और हवाई अड्डों की सीमित क्षमता द यह त्रिकोण हादसों की बड़ी वजहें हैं।

आंकड़े बताते हैं चिंता की हकीकत

आइसीएओं (अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन) के मुताबिक, भारत में 2023 में 43 गंभीर विमानन घटनाएं हुईं। एयर इंडिया, इंडिगो, और स्पाइसजेट जैसी प्रमुख एयरलाइनों के खिलाफ सुरक्षा मानकों को लेकर 32 बार नोटिस जारी हुए। डीजीसीए की रिपोर्ट (2024)ः 73 फीसदी घटनाओं में पायलट या तकनीकी स्टाफ की त्रुटि प्रमुख कारण। सुरक्षा विशेषज्ञों की मानें तो ह्लहमारे पास आधुनिक तकनीक है लेकिन उसे चलाने वाले लोग या तो अंडरट्रेंड हैं या अत्यधिक दबाव मेंह्ल। ह्लकई बार कंपनियां पायलट से लगातार ड्यूटी करवा कर सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करती हैं।ह्ल लोकसभा में 2023 में दिए गए बयान में सरकार ने माना कि ह्लभारत के छोटे हवाईअड्डों पर सुरक्षा मानकों में लगातार सुधार की जरूरत है।

सहायक आयुक्त और महिला सुरक्षा बल पर हमला, गुस्साए हॉकर्स केडीएमसी मुख्यालय पहुंचे

कल्याण। कल्याण डोंबिवली मनपा की फेरी वाला टीम शाम को स्टेशन क्षेत्र और शिवाजी महाराज चौक पर कार्रवाई करने गई थी। गुस्साए फेरी वालों ने मनपा टीम का कड़ा विरोध किया और जब्त सामान वापस करने की मांग करते हुए फेरी वालों ने सहायक आयुक्त धनंजय थोरात और महिला सुरक्षा बल की सदस्य लता बोरिकर पर हमला किया। हॉकर्स का उग्र रूप देखकर कार्रवाई टीम मौके से पीछे हट गई। गुस्साए हॉकर्स मनपा मुख्यालय पहुंचे। सुरक्षा गार्ड ने प्रवेश द्वार बंद कर दिया। गुस्साए हॉकर्स प्रवेश द्वार के बाहर एकत्र हो गए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर हमारा जब्त सामान वापस नहीं किया गया तो हम यहां से नही जाने वाले और हंगामा करते रहे।

जूनो जनरल इंश्योरेंस ने भारत में पहली बार क्रैश-डिटेक्शन की सुविधा वाला मोटर कवर लॉन्च किया

मुंबई। जूनो जनरल इंश्योरेंस नए जमाने की डिजिटल बीमा कंपनी है, जो बीमा को आसान एवं सुविधाजनक बनाने और इसमें नयापन लाने की संकल्प पर कायम है। जूनो ने अपने फ्लैगशिप जूनो स्मार्ट ड्राइव कार इंश्योरेंस में भारत का पहला रियल-टाइम क्रैश डिटेक्शन फीचर पेश किया है। इस सुविधा को जोड़े जाने से ग्राहकों को सड़क किनारे तुरंत सहायता उपलब्ध होगी और दावों के निपटान की प्रक्रिया में तेजी आएगी, जिससे इनोवेटिव और ग्राहकों को अहमियत देने वाली बीमा कंपनी के तौर पर जूनो की स्थिति और मजबूत हुई है। इस नए फीचर के जुड़ने के बाद, जूनो स्मार्ट ड्राइव अब केवल सुरक्षित ड्राइविंग के लिए रिवॉर्ड देने से कहीं आगे निकल गया है। अब एडवांस्ड मोबाइल टेलीमैटिक्स सिस्टम को जूनो ऐप में शामिल किया गया है, जो अपने आप ही दुर्घटनाओं का पता लगाता है और जूनो सपोर्ट टीम को इसकी सूचना देता है। इस तरह, ग्राहक के बिना बताए ही तुरंत सड़क किनारे सहायता उपलब्ध होती है, दावों की प्रक्रिया शुरू हो जाती है और मदद मिल जाती है। इससे आपात स्थितियों में ग्राहक के कीमती समय की बचत होती है – साथ ही यह भी सुनिश्चित होता है कि जरूरत के वक्त सहायता उपलब्ध हो। जूनो जीआई उपयोग-आधारित बीमा में सबसे आगे है, जिसने पहले ही जूनो स्मार्ट ड्राइव में पे हाउ यू ड्राइव को बिना किसी अतिरिक्त लागत के भारत के पहले बिल्ट-इन फीचर के तौर पर पेश किया है, जो ग्राहकों को वास्तविक समय में उनके ड्राइविंग के तौर-तरीके के आधार पर रिवॉर्ड देता है। ये प्लेटफॉर्म वाहन की रफ्तार, ब्रेकिंग और एक समान तरीके से ड्राइविंग जैसे घटकों पर नजर रखकर, जिम्मेदारी से वाहन चलाने की आदतों को बढ़ावा देता है। ग्राहकों को अपने ड्राइविंग स्कोर को अधिकतम बनाए रखने के लिए रिवॉर्ड मिलते हैं, जिसका लाभ पॉलिसी रिन्यूअल में भी उठाया जा सकता है, और इस तरह सुरक्षित तरीके से ड्राइविंग का आर्थिक फायदा भी मिलता है। जूनो स्मार्ट ड्राइव को किसी खास तरह के सेटअप या डिवाइस की जरूरत नहीं होती है। ये सीधे जूनो ऐप के जरिए काम करता है, और उपयोगकताओं को व्यक्तिगत ड्राइविंग संबंधी जानकारी, वास्तविक समय में जोखिम का मूल्यांकन, और इस बात की स्पष्ट जानकारी देता है कि, ड्राइविंग का उनका तौर-तरीका किस तरह सुरक्षा और बचत दोनों पर असर डालता है। यह तरीका न केवल ग्राहकों को उनके प्रीमियम पर अधिक नियंत्रण देता है, बल्कि सड़क पर जिम्मेदारी से वाहन चलाने की आदत को भी बढ़ावा देता है। अपने सबसे नए अपग्रेड के साथ, जूनो स्मार्ट ड्राइव अब वास्तविक समय में सहायता, रिवॉर्ड और सुरक्षा प्रदान करता है। जूनो आज की कनेक्टेड दुनिया में मोटर बीमा की पेशकश के स्तर को लगातार बेहतर बना रहा है – यह स्मार्ट, मददगार और ग्राहकों को सबसे ज्यादा अहमियत देने वाला है। ग्राहकों को ध्यान में रखकर किए गए इस इनोवेशन के बारे में बात करते हुए, जूनो जनरल इंश्योरेंस के एमडी एवं सीईओ, शनाई घोष ने कहा, ₹जूनो में, हम इंश्योरेंस को एहतियाती सुरक्षा का सच्चा साथी बनाना चाहते हैं। जूनो स्मार्ट ड्राइव एक ऐसा बीमा है जो आपका ख्याल रखता है, मुश्किल घड़ी में आपका साथ देता है, और आपकी सुरक्षा को सबसे पहले रखता है। वास्तविक समय में दुर्घटना का पता लगाने की सुविधा के साथ हम एक बड़ी छलांग लगा रहे हैं – अब हम सहायता प्रदान करने के साथ-साथ एहतियाती रूप से सुरक्षा भी प्रदान करेंगे। ये इस बात की मिसाल है कि, टेक्नोलॉजी और लोगों के प्रति हमदर्दी किस तरह साथ मिलकर ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बना सकती है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा भारत में सड़क दुर्घटनाओं पर 2022 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 461,312 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें मरने वालों की संख्या 168,000 से अधिक है – जो 2021 की तुलना में 11.9% अधिक है। यह रिपोर्ट अत्याधुनिक तकनीक वाली आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियों की जरूरत को उजागर करती है, और जूनो का क्रैश डिटेक्शन फीचर इसमें अपना योगदान देना चाहता है।

फेडरेशन ऑफ इंडियन अल्कोहोलिक बेवरेज कंपनीज ने महाराष्ट्र में IMFL पर उत्पाद शुल्क में भारी बढ़ोतरी पर जताई गहरी चिंता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार द्वारा भारतीय निर्मित विदेशी शराब पर उत्पाद शुल्क में 50% तक की भारी बढ़ोतरी को लेकर कंफेडरेशन ऑफ इंडियन अल्कोहोलिक बेवरेज कंपनीज ने गहरी चिंता जताई है और राज्य सरकार से अपील की है कि इस बढ़ोतरी पर पुनर्विचार किया जाए, क्योंकि इससे गंभीर नतीजे हो सकते हैं। CIABC ने सरकार से तुरंत सभी संबंधित पक्षों (हितधारकों) के साथ विचार-विमर्श शुरू करने को कहा है ताकि एक संतुलित, डेटा आधारित और टिकाऊ समाधान निकाला जा सके जो राजस्व और उद्योग दोनों के हित में हो। CIABC के महानिदेशक श्री अनंत एस अय्यर ने कहा कि इतनी बड़ी बढ़ोतरी से शराब की अधिकतम खुदरा कीमत में 85% तक की बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे बाजार में असंतुलन आएगा, ब्रांड की प्रतिस्पर्धा घटेगी और वैध शराब की उपलब्धता पर असर पड़ेगा।उन्होंने कहा कि इससे ग्राहक सस्ती और निम्न गुणवत्ता की शराब की ओर मुड़ सकते हैं, जिससे पूरे उद्योग की स्थिरता पर असर पड़ेगा। यह कदम राज्य में वैध शराब की बिक्री को कम कर सकता है और निवेश व रोजगार पर बुरा प्रभाव डाल सकता है। श्री अय्यर ने यह भी कहा कि जब वैध शराब महंगी हो जाती है, तो अवैध शराब का कारोबार बढ़ने लगता है। पड़ोसी राज्यों से सस्ती शराब की तस्करी बढ़ सकती है, जिससे राज्य का राजस्व भी प्रभावित होगा और जनता के स्वास्थ्य पर खतरा बढ़ेगा।उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की सीमा जिन राज्यों से लगती है, वहाँ समान ब्रांड की शराब सस्ते में मिलती है। अगर महाराष्ट्र में कीमतें और बढ़ीं, तो वहां से भारी मात्रा में अवैध शराब की आमद बढ़ेगी। CIABC का कहना है कि शराब की कीमतें उपभोक्ताओं की भुगतान क्षमता के अनुसार होनी चाहिए। अगर दाम बहुत बढ़ा दिए गए, तो ग्राहक सस्ते और कम-टैक्स वाली शराब की ओर झुकेंगे, जिससे सरकार को CIABC से मिलने वाला बड़ा राजस्व भी कम हो सकता है। IMFL उद्योग महाराष्ट्र की कुल उत्पाद शुल्क आमदनी का लगभग 60% योगदान देता है। एक केस IMFL से जितना टैक्स मिलता है, उतना टैक्स चार केस बीयर से आता है। ऐसे में केवल IMFL पर टैक्स बढ़ाना और बीयर जैसी दूसरी श्रेणियों को वैसे ही रखना, अनुचित प्रतिस्पर्धा को जन्म देगा।

डोंगरी से कार शेड को शिफ्ट करने के लिए रवि व्यास ने लिखा मुख्यमंत्री को पत्र

पर्यावरण की सुरक्षा के साथ करोड़ों की बचत का दिया हवाला

भायंदर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के 145 विधानसभा प्रमुख एडवोकेट रवि व्यास ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर मेट्रो स्टेशन के पास कार शेड बनाने की मांग की है। पत्र के आरंभ में उन्होंने मुख्यमंत्री को मीरा भायंदर को मेट्रो 9 की सौगात देने के लिए शहर की जनता की तरफ से आभार मानते हुए धन्यवाद दिया है। श्री व्यास ने पत्र में लिखा है कि डोंगरी की बजाय मेट्रो स्टेशन के पास कार शेड बनाने से करोड़ों रुपए की बचत होगी। यात्रियों के लिए सुविधाजनक होने के साथ-साथ स्थानीय लोगों द्वारा किए जा रहे विरोध से भी बचा जा सकेगा। उन्होंने कहा है कि डोंगरी पर कार शेड बनाने से 12,400 पेड़ों की कटाई करनी होगी, जो पर्यावरण की दृष्टिकोण से अत्यंत नुकसानदेह है। मेट्रो स्टेशन के पास कार शेड बनाने से पेड़ों की कटाई नहीं करनी होगी।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लिखें पत्र में रवि व्यास का कहना है कि जिस जगह को कारशेड के लिए चुना गया है वह पूरी तरह से पर्यावरण संरक्षित क्षेत्र है, जिसे बनाने के लिए तकरीबन 12,400 पेड़ों को हटाने का प्रस्ताव है । जो पर्यावरण के लिए और इस इलाके की हरियाली को बड़ा नुकसान पंहुचायेगा साथ ही इको सिस्टम की भी हानि होंगी। रवि व्यास का कहना है कि इसके चलते वहाँ के स्थानीय भूमिपूत्र, पर्यावरणविद, मच्छीमार संघठन भी इसका जमकर विरोध कर रहे है। हस्ताक्षर अभियान में अब तक 20 हजार से ज्यादा लोगों ने अपना समर्थन दिया है। इसके लिए उन्होंने नेताजी सुभाषचंद्र मैदान के पास स्थित मीरा इस्टेट में मौजूद खाली 400-500 एकड़ जमीन में शिफ्ट करने का विकल्प सुझाया है। उनका कहना है की इससे न सिर्फ पर्यावरण और इको सिस्टम सुरक्षित रहेगा बल्कि बिना किसी नागरिक को विस्थापित करते हुए करोड़ो रुपए के राजस्व की भी बचत होंगी और स्टेशन के पास होने की वजह से मेट्रो के परिचालन में भी आसानी होगी।

अपोलो नवी मुंबई में शुरू होगा 'इंस्टिट्यूट ऑफ क्लिनिकल ओबेसिटी एंड मेटाबोलिजम'

नवी मुंबई। अपोलो हॉस्पिटल्स नवी मुंबई में 14 जून, 2025 को एक अत्याधुनिक इंस्टिट्यूट ऑफ क्लिनिकल ओबेसिटी एंड मेटाबोलिजम का उद्घाटन होने जा रहा है। इस क्षेत्र में बढ़ते मोटापे के संकट को दूर करना इस पहल का उदेश्य है। यह क्लिनिक वजन प्रबंधन के लिए एक मल्टी-डिसिप्लिनरी दृष्टिकोण प्रदान करेगा, जिसमें लोगों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुरूप मेडिकल, पोषण और मनोवैज्ञानिक सहायता का संयोजन किया जाएगा।

भारत एक बड़ी गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती का सामना कर रहा है, विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार मोटापा कई बीमारियों का एक प्रमुख कारण है। हृदय संबंधी स्थितियां, टाइप 2 मधुमेह और कुछ कैंसर मोटापे की वजह से होते हैं। ये बीमारियां अक्सर सिस्टमिक इन्फ्लेमेशन से जुड़ी होती हैं, जो रक्त वाहिकाओं और अंगों को नुकसान पहुंचा सकती हैं, और कई गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं का कारण बन सकती हैं। इसलिए मोटापे को संबोधित करना न केवल वजन प्रबंधन के लिए बल्कि इन जानलेवा बीमारियों की रोकथाम के लिए भी महत्वपूर्ण है। बच्चों में मोटापा बढ़ रहा है, यह और भी चिंताजनक बात है। लैंसेट के एक अध्ययन का अनुमान है कि भारत में 5 से 19 वर्ष की आयु के लगभग 12.5 मिलियन बच्चे 2022 में मोटापे से ग्रस्त हो जाएंगे। यह संख्या दुनिया में सबसे अधिक है। 1990 में 0.4 मिलियन से इसमें उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

हैबिल्ड की 'हर घर योगा' पहल

मुंबई। भारत का पहला हैबिट-बिल्डिंग प्लेटफॉर्म हैबिल्ड ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 से पहले अपनी नई पहल 'हर घर योगा' की घोषणा की है। इस वर्ष योग दिवस की थीम योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ है, और यह पहल इसी वैश्विक सोच–समग्र स्वास्थ्य और जीवनशैली–के अनुरूप तैयार की गई है।100+ देशों में 1 crore से ज्यादा सक्रिय सदस्यों की मजबूत कम्युनिटी के साथ, हैबिल्ड अब हर घर तक योग की शक्ति पहुँचाने का लक्ष्य लेकर आया है। इस पहल का नेतृत्व कर रहे हैं सौरभ बोथरा, जो आईआईटी एलुमनस, सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त योग विशेषज्ञ और हैबिल्ड के सह-संस्थापक हैं। यह पहल सस्टेनेबिलिटी, समानता और निरंतरता के मूल्यों को ध्यान में रखकर डिजिटली तैयार की गई है, ताकि योग केवल एक फिटनेस एक्टिविटी न रहकर, हर किसी की दैनिक आदत बन सके।

'हर घर योगा' का उद्देश्य योग को सभी के लिए सुलभ बनाना है–चाहे उम्र कुछ भी हो, फिटनेस लेवल कैसा भी हो। इस अभियान के जरिए भावनात्मक रूप से जुड़ाव बढ़ाने के लिए वीडियो कहानियों की एक सीरीज तैयार की गई है, जो छोटे लेकिन प्रभावशाली बदलावों के जरिए रोज योग की आदत डालने में मदद करेगी।इस पहल पर बात करते हुए, हैबिल्ड के सीईओ और सह-संस्थापक सौरभ बोथरा ने कहा, ₹योग को एक ज़िम्मेदारी या केवल एक दिन का उत्सव नहीं बनाना चाहिए। 'हर घर योगा' के जरिए हम योग को फ्री, सुलभ और–सबसे अहम–निरंतर बना रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि योग लोगों की रोज की आदत बन जाए।

स्ट्रोक और मस्तिष्क देखभाल के लिए तेज और बेहतर इलाज अब मणिपाल हॉस्पिटल्स, कोलकाता में

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पूर्वी भारत के अग्रणी मल्टीस्पेशलिटी स्वास्थ्य सेवा संस्थान मणिपाल हॉस्पिटल्स ने कोलकाता के मुकुंदपुर में अपनी अत्याधुनिक और समग्र न्यूरो टीम की शुरूआत की है, जो मस्तिष्क, रीढ़ और तंत्रिका तंत्र से जुड़ी जटिल बीमारियों के इलाज में एक नया अध्याय जोड़ती है। इस पहल के तहत, न्यूरोलॉजिस्ट, न्यूरोसर्जन, इंटरवेंशनल न्यूरोलॉजिस्ट, न्यूरो रेडियोलॉजिस्ट और न्यूरो रिहैबिलिटेशन विशेषज्ञों को एक ही छत के नीचे लाकर मरीजों को समन्वित, त्वरित और बहु-आयामी इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। यह पहल न केवल वयस्कों बल्कि बच्चों के लिए भी उन्नत और अनुसंधान-आधारित देखभाल सुनिश्चित करती है।

प्रेस सम्मेलन में उपस्थित रहे डॉ. जयंत राय (डायरेक्टर एवं एडवाइजर, रीजनल हेड झ्र ईस्ट, न्यूरोलॉजी, मणिपाल हॉस्पिटल्स) और अन्य विशिष्ट न्यूरो विशेषज्ञ, जैसे डॉ. अम्लान मंडल, डॉ. निखिल प्रसून सिंह, डॉ. दीपेन्द्र कुमार प्रधान, डॉ. राजन कुमार, डॉ. बिस्वजीत पॉल, डॉ. निर्मल्य राय, डॉ. अंशु सेन, डॉ. अनन्या सेनगुप्ता, डॉ. अविक मुखर्जी, डॉ. शुभदीप बनर्जी और डॉ. संपूर्णा चौधरी।

इस अवसर पर अन्य विभागों के विशेषज्ञ जैसे डॉ. इंद्रनील घोष (न्यूरो एनेस्थेसिया और पेन मैनेजमेंट), डॉ. सौमेन मौर्य (बाल रोग विभाग प्रमुख), और डॉ. शगुता चक्रवर्ती (रीजनल हेड मेडिकल सर्विसेज) भी उपस्थित थे। समावेशी स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक कदम और बढ़ाते हुए, मणिपाल हॉस्पिटल्स ने आशा निकेतन नामक एनजीओ के साथ साझेदारी की है, जहां ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर मौजूद बच्चों के लिए निःशुल्क न्यूरो परामर्श की सुविधा दी गई है।

कल्याण पूर्व में नाला सफाई कार्य का कमिश्नर ने लिया जायजा

नाला सफाई नही होने पर भड़के कमिश्नर

कल्याण। कल्याण पूर्व नाला सफाई कार्य मात्र 30 प्रतिशत ही पूरा हुआ है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका कमिश्नर अभिनव गोयल ने नाला सफाई कार्य का निरीक्षण किया और अधिकारियों व ठेकेदारों को आड़े हाथों लिया। कमिश्नर ने ठेकेदार को ब्लैक लिस्टेड करने की चेतावनी दी है।

शिंदे सेना की पूर्व नगरसेविका माधुरी काले ने कमिश्नर गोयल से शिकायत की थी। कल्याण पूर्व के विजयनगर अमराई क्षेत्र में छोटे-छोटे नाले साफ नहीं हुए हैं। ठेकेदारों ने उनमें से कचरा नहीं निकाला है। नाला सफाई कार्य मात्र 30 प्रतिशत ही पूरा हुआ है। 70 प्रतिशत काम नहीं हुआ है। ठेकेदार भारी बारिश का इंतजार कर रहा है। भारी बारिश में नाले में जमी गंदगी बह जाएगी। काले ने कहा था कि ठेकेदार को किए गए काम का भुगतान नही किया जाए।

काले की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए कमिश्नर ने अधिकारियों की बैठक ली। इस बैठक में अधिकारियों ने काले की शिकायत पर आयुक्त द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब दिया कि 70 प्रतिशत नालों की सफाई हो चुकी है। आयुक्त ने उनके जवाब साथ में लिए और अधिकारियों व ठेकेदारों को साथ लेकर जांच की कि वास्तव में कितनी नालों की सफाई हुई है। आयुक्त ने स्वयं विजयनगर अमराई क्षेत्र का निरीक्षण किया। उनके साथ शिकायतकर्ता काले, शिंदे सेना पदाधिकारी प्रशांत काले और भाजपा नगरसेवक मनोज राय भी मौजूद थे। एक स्थान पर नाले का एक हिस्सा टूटा हुआ था। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल इसकी मरम्मत करने के निर्देश दिए। वहीं डी वार्ड कार्यालय के पीछे एक नाले का निरीक्षण किया।

इस समय नाले में कितना समय बीत चुका है। यह देखने के लिए आयुक्त ने नाले की में एक डंडा डाला और जब देखा तो डंडा कीचड़ में फंस गया। पहली नजर में ही लगा कि वही है। इस पर आयुक्त ने नाराजगी जताई और ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट करने की चेतावनी दी।

पालघर जिले में खरीफ सीजन के लिए पर्याप्त खाद भंडार

पालघर (उत्तरशक्ति)। पालघर जिले में खरीफ सीजन की शुरूआत हो चुकी है और किसानों को खाद तथा बीजों की कोई कमी न हो, इसके लिए जिला प्रशासन ने व्यापक योजना के तहत जरूरी प्रबंध किए हैं। राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स (आरसीएफ) कंपनी द्वारा जिले के सभी कृषि सेवा केंद्रों को स्वीकृत आवंटन के अनुसार खाद की आपूर्ति की जा रही है।

खाद आपूर्ति का विवरण इस प्रकार है। (अप्रैल से 13 जून 2025 तक):- अप्रैल 2025: स्वीकृत आवंटन - 1,310 मी. टन, वास्तविक आपूर्ति - 1,948 मिट्री टन, मई 2025: स्वीकृत आवंटन -1,702 मिट्री टन, वास्तविक आपूर्ति - 1,774 मिट्री टन, 13 जून 2025 तकः स्वीकृत आवंटन - 2,750 मिट्री टन, वास्तविक आपूर्ति झ्र 2,472 मिट्री टन। अब तक जिले में कुल 6,194 मीट्रिक टन यूरिया खाद की आपूर्ति की जा चुकी है। वर्तमान में खुदरा बिक्री के लिए 2,336.361 मिट्री टन खाद उपलब्ध है, जबकि 847 मिट्री टन खाद का संरक्षित भंडार भी मौजूद है। तहसील-वार खाद भंडार की स्थिति इस प्रकार है।

डहाणू में 577.223 मिट्री टन, जव्हार में 91.36 मिट्री टन, मोखाडा में 64.63 मिट्री टन, वाडा में 211.215 मिट्री टन, वसई में 247.054 मिट्री टन, पालघर में 492.29 मिट्री टन, विक्रमगड में 313.714 मिट्री टन, तलासरी में 338.875 मिट्री टन।

जिला कृषि अधीक्षक निलेश भागेश्वर ने जानकारी दी कि किसानों की मांग के अनुसार खाद और बीजों की आपूर्ति सुचारू रखने के लिए सभी जरूरी उपाय किए गए हैं। पूरे खरीफ सीजन के दौरान खाद की कोई कमी न हो, इसके लिए आठ तहसील और एक जिला स्तरीय उड़नदस्ता (भरारी पथक) भी नियुक्त किया गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिले के किसानों को इस सीजन में खाद और बीज की कोई दिक्कत नहीं होगी। पर्याप्त भंडारण और प्रशासन की सक्रियता के कारण किसान खरीफ सीजन को सफलतापूर्वक पूरा कर सकेंगे।

येलो फर्टिलिटी एंड आईवीएफ की नेटवर्क विस्तार की योजना

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत के सबसे किफायती और सबसे तेजी से बढ़ते फर्टिलिटी सेंटर्स में शामिल येलो फर्टिलिटी एंड आईवीएफ ने 2030 तक अपने नेटवर्क का विस्तार 100 केंद्रों तक करने की महत्वाकांक्षी योजना पेश की है। यह पहल भारत में सबसे बड़ा और सबसे भरोसेमंद आईवीएफ नेटवर्क बनने के ब्रांड के मिशन के अनुरूप है। इसका उद्देश्य न केवल भारत में, बल्कि दुनियाभर के लाखों इच्छुक माता-पिता तक उच्च गुणवत्ता वाली और किफायती फर्टिलिटी सेवाएं सुलभ कराना है। ब्रांड दक्षिण एशिया, अफ्रीका और मिडिल ईस्ट में विस्तार के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपने कदम बढ़ाने की योजना बना रहा है।

येलो फर्टिलिटी का विस्तार मॉडल गहन मार्केट रिसर्च पर आधारित है, जिसमें ज्यादा संभावनाओं वाले नए बाजारों की पहचान की जाती है। इसके लिए प्रजनन दर, सामाजिक परिवेश, प्रतिस्पर्धा की स्थिति, इलाज में सफलता का स्तर और क्षेत्रीय कीमतों के रुझान जैसे कई पहलुओं को ध्यान में रखा जाता है। कंपनी का फोकस ऐसा बिजनेस मॉडल विकसित करने पर है, जो प्रमुख आईवीएफ विशेषज्ञों को आकर्षित करे और मरीजों के लिए इलाज को अधिक सुलभ बनाने के लिए सफलता-आधारित कीमत तय करे।

येलो फर्टिलिटी का लक्ष्य है कि जिन इलाकों में अब तकआईवीएफ सेवाएं सीमित हैं, वहां सबसे पहले पहुंच बनाकर कारोबार का विस्तार किया जाए और मजबूत स्थिति हासिल की जाए।

येलो फर्टिलिटी एंड आईवीएफ के एक प्रवक्ता ने कहा, ₹हम सिर्फ अपने केंद्रों का विस्तार नहीं कर रहे हैं, बल्कि लाखों जोड़ों तक फर्टिलिटी इलाज और नई उम्मीद पहुंचाने का काम कर रहे हैं। हमारा यह विस्तार एक मजबूत विश्वास पर आधारित है कि गुणवत्तापूर्ण फर्टिलिटी सेवाएं किसी का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि हर जोड़े का अधिकार होनी चाहिए। मरीजों को प्राथमिकता देना और किफायती इलाज उपलब्ध कराना हमारी कार्य संस्कृति का मूल है। इस विस्तार योजना के जरिए हम देश के पिछड़े और कम सेवा-प्राप्त क्षेत्रों में भी अपनी इस सोच को पहुंचाना चाहते हैं। 86% की शानदार आईवीएफ सफलता दर, 1.4 लाख रुपये से शुरू होने वाला सबसे सस्ता सिंगल साइकिल आईवीएफ पैकेज और अपनी तरह का अनोखा 'येलो कॉन्ट्रैक्ट' पेश कर येलो फर्टिलिटी भारत में फर्टिलिटी चिकित्सा का चेहरा बदल रही है। यह कॉन्ट्रैक्ट 100% सफलता की गारंटी देता है। यदि दो आईवीएफ चक्रों के बाद भी गर्भधारण नहीं होता, तो मरीज एक विशेष आश्वासन राशि जमा कर उपचार जारी रख सकते हैं। इसके बाद तीसरे चक्र से आगे सिर्फ इलाज में उपयोग होने वाली सामग्रियों (कंज्यूमेबल्स) की लागत ही देनी होती है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

केराकत में शादी समारोह के दौरान चाकूबाजी, एक घायल

एजेंट के पेट के निचले हिस्से में लगा चाकू, मची अफरातफरी

केराकत,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। केराकत के हरिहरपुर गांव की सोनकर बस्ती में एक शादी समारोह के दौरान चाकूबाजी की घटना सामने आई। बेलाव से आई बरात में द्वारपूजा के बाद कुछ बराती बोलेरो पर बैठकर चिकन खा रहे थे। वाहन चालक ने बारातियों को बोलेरो पर खाना खाने से मना किया। उसने कहा कि वे वाहन की पूजा करते हैं। बारातियों के नहीं मानने पर चालक ने वाहन एजेंट को बुला लिया। एजेंट के समझाने पर भी बराती नहीं माने। विवाद बढ़ने पर एक बराती ने वाहन एजेंट पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू एजेंट के पेट के निचले हिस्से में लगा। घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायल को तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस की मौजूदगी में शादी का कार्यक्रम संपन्न कराया गया। थानाध्यक्ष सत्य प्रकाश सिंह ने बताया कि इस घटना के संबंध में अभी तक कोई तहरीर अभी नहीं मिली है।

दवाओं और चिकित्सा उपकरणों पर शून्य जीएसटी की मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आज दिनांक 12-06-2025 को उत्तर प्रदेश उत्तराखंड मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स एसोसिएशन (UPMSRA) जौनपुर इकाई अपने अखिल भारतीय संगठन फेडरेशन ऑफ मेडिकल एंड

सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन ऑफ इंडिया (FMRAI) के आह्वान पर आयुक्त जीएसटी कार्यालय जौनपुर के माध्यम से निर्मला सीतारमण वित्त मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली को दवाओं और चिकित्सा उपकरणों पर शून्य जीएसटी एवं स्वास्थ्य के लिए जीडीपी का 5 प्रतिशत बजट किया जाय, का प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया गया। हमारा संगठन चाहता है कि देश के आम नागरिक एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए स्वास्थ्य सेवा सुलभ और सस्ती होनी चाहिये। दवाओं की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि और दवाओं पर 18 प्रतिशत तक की उच्च जीएसटी के कारण लोग गम्भीर वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। इस समय इकाई से उपाध्यक्ष अनिल मिश्रा, सचिव अजय चौरसिया, सह सचिव विशाल साहू, स्टेट कमेटी मेंबर राजेश रावत, कार्यकारिणी सदस्य अनूप श्रीवास्तव सदस्य आरजू चौबे आदि उपस्थित रहे।

भीषड़ उमस भरी गर्मी में नगरवासी पानी के लिए दर-बदर भटक रहे, जिम्मेदार मौन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के ख्वाजादोस्त में पानी की किल्लत इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि लोगों के सामने रोजी रोटी जुटाने के साथ पानी जुटाना भी एक काम हो गया है। एक तरफ प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री द्वारा जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल हर घर स्वस्थ जल अभियान चलाया जा रहा। वहीं उसके उलट नगर में पीने के पानी के लिए लाइन लगा रहे। बताते चले ख्वाजादोस्त पूर्व नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष दिनेश टंडन वा माया टंडन का भी निवास एरिया है। कहने वाले यह भी कह रहे वर्तमान नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष से ऐसा महसूस हो रहा जैसे वह पूर्व अध्यक्ष से कोई दुश्मनी निभा रहे की वर्तमान अध्यक्षा की नजर ही ख्वाजादोस्त पर नहीं पढ़ रही, कहां पिछले एक महीने से लोग पानी के लिए दर बदर भटक रहे।

क्षेत्रवासियों से बात करने पर गौहर अली ने बताया कि पिछले एक महीने से पानी के लिए इस तरह भटक रहे जैसे मछली को जल से बाहर निकाल देने पर मछली तड़प रही। दूसरी तरफ दयाशंकर से बात करने पर उन्होंने कहा पानी पा लेने के लिए ऐसा प्रतीत हो रहा जैसे हमें जंग लड़ करके कोई वस्तु प्राप्त हो रही। पूर्व सभासद सुनील यादव ने कहा कि क्षेत्रवासी पानी के लिए हमारे कार्यकाल में कभी नहीं भटके जबकि वर्तमान सभासद ऐसा क्षेत्र के लोगों के साथ व्यवहार करते है जैसे वो उन्हें जानते पहचानते नहीं इसमें वो भी गलत नहीं जनता जब किसी को लगातार जीत देती है और वो भी बाहरी तो ऐसा ही व्यवहार की व्यवस्था की उम्मीद भी रखनी चाहिए।

सांसद ने मोहम्मदपुर कांध गांव पहुंचकर तिहरे हत्याकांड के पीड़ित परिजनों से किया मुलाकात

गौराबादशाहपुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर कांध गांव के पिता और दो पुत्रों की नेवादा कारखाने में निर्मम हत्या के 18 दिन बाद मछलीशहर सांसद मोहम्मदपुर कांध गांव में परिजनों से मिलने पहुंची। गुरुवार की शाम को सांसद मछलीशहर प्रिया सरोज मोहम्मदपुर कांध गांव में लालजी और दो पुत्र गुड्डू और यादवीर की बीते 25 मई की देर रात में निर्मम हत्या कर देने के 18 दिन बाद मृतकों के परिजनों से मिलने के लिए उनके घर मोहम्मद पुर कांध गांव पहुंची। इस दौरान मृतक लालजी की पत्नी प्रभावती एवं बहू सरिता से मिलकर उन्होंने घटनाक्रम की जानकारी ली तथा उन्होंने प्रभावती को भरोसा दिया कि वह हर संभव परिवार की मदद के लिए हमेशा साथ खड़ी रहेंगे। सांसद प्रिया सरोज ने मृतक गुड्डू की पत्नी सरिता से यह भी कहा कि वह इस मामले में जल्द से डीएम व एसपी से बात करेंगी तथा फरार चल रहा हत्या के तीसरे आरोपी गोलू को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग करेंगी। इस मौके पर सपा जिला उपाध्यक्ष डॉ.सरफराज खान, शिवशंत यादव आदि लोग मौजूद रहे।

अमन विश्वकर्मा बने राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के वाराणसी मंडल प्रभारी

प्रदेश संगठन मंत्री सुरेश कुमार शर्मा ने नियुक्ति पत्र जारी कर जताया विश्वास

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। तेजतर्रार, निडर और निष्पक्ष पत्रकार अमन विश्वकर्मा को राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद (पंजीकृत) में एक नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन के प्रदेश संगठन मंत्री सुरेश कुमार शर्मा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र कुमार मिश्रा के निर्देश पर अमन विश्वकर्मा को वाराणसी मंडल प्रभारी के पद पर नियुक्त किया है। अमन विश्वकर्मा वर्तमान में खबर आज तक के जिला संवाददाता के रूप में पत्रकारिता में सक्रिय हैं। उन्हें पत्रकार हितों की मजबूती से आवाज उठाने वाले एक निर्भीक पत्रकार के रूप में जाना जाता है। नियुक्ति पत्र में प्रदेश संगठन मंत्री ने कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि अमन विश्वकर्मा संगठन की गरिमा, उद्देश्य और सिद्धांतों को सर्वोपरि रखते हुए पत्रकारों के हित में ईमानदारी व निष्ठा से कार्य करेंगे और संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

इस मौके पर वाराणसी मंडल अध्यक्ष राजेश कुमार गौतम सहित संगठन के कई पदाधिकारियों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में मंडल की इकाई और अधिक मजबूत और सक्रिय बनेगी।

वाराणसी की मार्शल आर्ट खिलाड़ी प्रीति पटेल को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री विद्यालयी खेल पुरस्कार२ से सम्मानित किया। इस अवसर पर कुराश खेल (मार्शल आर्ट) में अंडर-19

बालिका वर्ग (एकल प्रतियोगिता) में गोल्ड मेडल जीतने वाली वाराणसी की प्रीति पटेल को भी सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के कुल सात खिलाड़ियों को विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। साथ ही उन्होंने विभिन्न बोर्ड परीक्षाओं में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले आठ मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया।

बीएचयू ट्रामा सेंटर प्रभारी डॉ.सौरभ सिंह और दो बाउंसरों पर छेड़खानी का मुकदमा दर्ज, पुलिस जांच में जुटी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। बीएचयू ट्रॉमा सेंटर के प्रभारी डॉ. सौरभ सिंह और उनके दो निजी बाउंसरों आशीष सिंह, धनंजय राय के खिलाफ छेड़खानी, अभद्रता, और धमकी देने जैसे गंभीर आरोपों में लंका थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई ट्रॉमा सेंटर के एनेस्थीसिया विभाग की एक महिला प्रोफेसर की तहरीर पर की गई है, जो कैंसर की मरीज हैं और हाल ही में एक बड़े ऑपरेशन से गुजरी हैं। पीड़िता प्रोफेसर के अनुसार, वह लंबे समय से वह डॉ. सौरभ सिंह के अमर्यादित व्यवहार से परेशान है। डॉ. सौरभ सिंह की शह पाकर गत 26 मई को उनके साथ बाउंसर आशीष सिंह ने दुर्व्यवहार किया। उनके साथ वह अभद्र शब्दों का प्रयोग किया। इस पर वहां मौजूद बाउंसर धनंजय राय और हरपाल ने गलत नीयत के साथ उन्हें छूते हुए धक्का दिया। तीनों ने द्विअर्थी शब्दों का इस्तेमाल करते हुए उन्हें देख लेने की धमकी दी। साथ ही उन्होंने बताया- डॉ. सौरभ सिंह के इशारे पर अपने साथ हो रहे दुर्व्यवहार से वह आजिज आ गई हैं। उधर, इस संबंध में लंका थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्र ने बताया कि एक प्रोफेसर की तहरीर पर बीएचयू ट्रॉमा सेंटर के प्रभारी और उनके बाउंसरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

शाहगंज इकाई में महिला नेतृत्व को मिली अहम जिम्मेदारी, पंकज जयसवाल बनीं तहसील अध्यक्ष

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद की नई टीम का भव्य गठन, वरिष्ठ पत्रकारों को मिली बड़ी जिम्मेदारियाँ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद (पंजीकृत) की तहसील शाहगंज इकाई का विधिवत गठन जिलाध्यक्ष तामीर हसन शीबू व जिला सचिव एवं शाहगंज प्रभारी सुजीत वर्मा के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस मौके पर परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री देवेंद्र कुमार मिश्रा के आशीर्वाद व स्वीकृति से जनपद के पत्रकारों, समाजसेवियों और जागरूक नागरिकों को महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस गठन की खास बात यह रही कि पंकज जयसवाल को शाहगंज तहसील अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जिससे संगठन में महिला नेतृत्व को प्रमुखता देते हुए एक नई मिसाल पेश की गई है। उनके सहयोग में अमित कुमार जायसवाल को कार्यवाहक अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। नवगठित इकाई के प्रमुख पदाधिकारी संरक्षकझ डॉ.शरफुद्दीन, विक्रम सिंह, छेदीलाल वर्मा, विनोद साहू

जिया लाल सोनी वरिष्ठ उपाध्यक्षझ गुलाम साबिर, उपाध्यक्षझ शिवकुमार प्रजापति, नीरज यादव, महासचिवझ शशांक शेखर सिन्हा, राजकुमार सेठ, वरिष्ठ महासचिवझ दिवाकर मिश्र, वरिष्ठ सचिवझ कयामुद्दीन, उपकोषाध्यक्षझ बलजीत यादव, संगठन मंत्रीझ मोहम्मद आसिफ, मंत्रीझ सैयद सज्जाद आसिफ, नजरे आलम, मीडिया प्रभारीझ विजय उपाध्याय, सूचना मंत्रीझ शैलेश कुमार नाग, सचिवझ राजेश गौतम, शैलेंद्र अग्रहरी, राकेश कुमार यादव, धनपाल जायसवाल, सदस्यझ अब्दुल कासिम खान, रितेश अग्रहरि बनाये गये।

इस अवसर पर संगठन ने विश्वास जताया कि नवगठित इकाई पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान और हक की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता से कार्य करेगी। खासकर महिला नेतृत्व को तरजीह देकर परिषद ने एक सराहनीय पहल की है, जिससे आने वाले समय में संगठन और अधिक मजबूत एवं प्रभावी होगा।

मां दुर्गा की मूर्ति स्थापना हेतु 27 कन्याओं द्वारा निकाली गई कलश यात्रा

सिकरारा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिकरारा क्षेत्र के रीठी (बरातर) गांव में

ग्रामीणों के सहयोग से मां दुर्गा का मंदिर बनवाया गया जिसकी मूर्ती स्थापना 9 मई को होगी कार्यक्रम में श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया गया है कथा के पहले यह कलश यात्रा निकाली गई जिसके लिए रिठी गांव से यात्रा शुरू होकर लम्बोदर नाथ सई नदी घाट पर कलश भरा गया और पुनः 27 कन्याओं द्वारा कलश यात्रा सम्पन्न हुआ इसके मुख्य यजमान सुरेंद्र कुमार सिंह पूर्व प्रधान है कार्यक्रम समस्त ग्राम के लोगों के सहयोग से हो रहा है।

पुण्यतिथि पर याद किए गए कर्मचारी नायक डीएन सिंह

युगों तक याद किया जाएगा डीएन सिंह का योगदानः इं.अरविंद नाथ राय

गाजीपुर(उत्तरशक्ति)। श्रमिक उत्थान समिति के तत्वाधान में शुक्रवार को डीएन सिंह की 10वीं पुण्यतिथि पर याद किया। समिति के संरक्षक इं अरविंद नाथ राय ने कहा कि डीएन सिंह कर्मचारियों की हक के लिए शंखनाद किया था। उन्होंने 30 वर्ष की उम्र से ही हजारों कर्मचारियों को एकजुट किया। सरकार को कर्मचारियों के हक दिलाने के लिए मजबूर किया। उनका योगदान सदैव याद किया जाएगा। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष, संगठन मंत्री और सिंचाई संघ के प्रदेश चेयरमैन रहे डीएन सिंह की 10 वीं पुण्यतिथि श्रमिक उत्थान समिति के तत्वावधान में फुल्लनपुर स्थित आवास पर मनाई गई। मौके पर वक्ताओं ने कहा कि नलकूप विभाग से जुड़े हजारों कर्मचारियों को राज्य कर्मचारियों के सामान वेतन भत्ते दिलाने में डीएन सिंह ने जो सशक्त आंदोलन किया था वह आज भी कर्मचारी संगठनों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। ऐसे में कर्मचारियों का संगठित होना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समिति के अध्यक्ष चौधरी दिनेश चन्द्र राय ने कहा कि डीएन सिंह का कर्मचारी संघर्ष का इतिहास हमेशा याद किया जाएगा। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद मण्डल अध्यक्ष डीएस राय ने उन्हें संगठन का भीष्म पितामह बताते हुए कहा कि बड़े भाई में सदैव धर्म और कर्म, प्रेम की झलक दिखाई देती थी। जो भी साथी इनके मार्ग पर चलते थे। उनका यही संदेश था कि मै छोड़े और जी धारण करे। माध्यमिक शिक्षक संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष नारायण उपाध्याय ने कहा कि वे पथ-प्रदर्शक व कर्मचारियों के हित में हमेशा संघर्ष करने वाले व्यक्तित्व के पदाधिकारी थे। राज्य कर्मचारी महासंघ के जिलाध्यक्ष बालेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि उनके विचार हमारे लिए आज भी प्रेरणास्त्रोत हैं। संचालन महामंत्री राजीव कुमार सिंह ने किया और कहा कि अधिकारियों के खिलाफ विद्रोह किया और कर्मचारियों को उनके अधिकारों के लिए जागरूक किया। इसीलिए उन्हें कर्मचारियों का नायक कहा जाता है। उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा। कर्मचारी समुदायों के लिए प्रेरणास्त्रोत है और उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। पुण्य तिथि पर डीएन सिंह को नमन करने वालों में शुभम तिवारी, सुरेश कुमार, अजीत सिंह, अवधेश नारायण, प्रकाश चन्द्र राय, रविन्द्र नाथ तिवारी, गायत्री सिंह, पूनम तिवारी, राजवीर सिंह, आशुतोष कुमार पाण्डेय, अभय सिंह आदि शामिल रहे।

मुगराबादशाहपुर पुलिस तमंचा, कारतूस व एक बाइक के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना मुगराबादशाहपुर पुलिस टीम के उ0नि0 गंगासागर मिश्रा मय हमराह द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर अभियुक्त अली हुसैन उर्फ अमन पुत्र स्व0 शाह मोहम्मद निवासी ग्राम नरगहना थाना पवांरा जनपद जौनपुर को एक तमंचा .32 बोर एवं जिन्दा कारतुस .32 बोर व एक मोटरसाइकिल यूपी62 बीजेड2607 के साथ दिनांक 13.06.2025 समय करीब 06.30 पर सराय डिंगुर मोड़ के पास से हिरासत पुलिस में लिया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

तेज रफ्तार कार खड़े ट्रेलर में पीछे से घुसी, पिता की मौत व पुत्र की हालत गंम्भीर

वाराणसी से लौटते समय हुआ हादसा

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले मे शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में बदलापुर निवासी एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा बक्शा थाना क्षेत्र के टिकरी गांव के पास हुआ।जब उनकी कार सड़क किनारे खड़े एक ट्रेलर में पीछे से जा टकराई।मिली जानकारी के अनुसार, बदलापुर थाना क्षेत्र के सरोखनपुर गांव निवासी हर्षवर्धन सिंह (25) अपने पिता दिलीप कुमार सिंह (55) के साथ कार से वाराणसी गए थे। शुक्रवार की सुबह लगभग 5:30 बजे दोनों वाराणसी से लौट रहे थे। टिकरी गांव के समीप एक ढाबे के सामने खड़े ट्रेलर में हर्षवर्धन की कार पीछे से तेज गति से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। घटना की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए।ढाबा संचालक ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही प्रभारी थानाध्यक्ष अटल बिहारी मिश्र और चौकी इंचार्ज राकेश राय घटनास्थल पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे पिता-पुत्र को बाहर निकाला। इस दौरान देखा गया कि दिलीप कुमार सिंह की मौके पर ही मृत्यु हो चुकी थी। घायल हर्षवर्धन सिंह को तत्काल नौपेड़वा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने पैर में गंभीर चोट के चलते उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार और ट्रेलर सहित चालक को थाने भेज दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

यातायात पुलिस ने अभियान चलाकर 60 ट्रैक्टरों को चेक करते हुए किया गया चालान व जुर्माना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यातायात पुलिस टीम जौनपुर द्वारा अभियान चलाकर 60 ट्रैक्टरों को चेक करते हुए किया गया चालान व जुमार्ना, साथ ही अवैध स्टैंड के अभियान में 06 आटो को सीज व 25 आटो का किया

गया चालान।यातायात पुलिस टीम द्वारा आज दिनांकः13.06.2025 को ट्रैक्टर सम्बन्धित अभियान चलाया गया जिनमें 60 ट्रैक्टरों को चेक किया गया और उनका चालान व जुमार्ना भी किया गया तथा ट्रैक्टर व ट्राली पर रेट्रो रिफ्लेक्टर टेप लगाते हुये उनको जागरुक/ जानकारी दी गयी कि अगर आपका ट्रैक्टर कृषि कार्य के लिए लिए हैं तो उसे आप कामर्शियल प्रयोग नहीं करेंगे और आपके ट्रैक्टर पर जो भी ड्राइवर होगा उसका लाइसेंस होना चाहिए, ट्रैक्टर के ट्रॉली के पीछे रेट्रो रिफ्लेक्टर टेप लगा होना चाहिए तथा उन्हें बताया गया कि आज के बाद इन उल्लंघन में अगर पाए जाते हैं तो उनके ट्रैक्टर को सीज की कार्यवाही किया जायेगा। साथ ही साथ अवैध स्टैंड के अभियान में 06 आटो को सीज किया गया व 25 पर चालान की कार्यवाही किया गया।

पीयू रोजगार मेले के दूसरे दिन भी बना अवसरों का उत्सव

जॉब फेयर के बाद विद्यार्थियों में दिखा आत्मविश्वास

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित रोजगार मेला-2025 का दूसरा दिन शुक्रवार को भी उम्मीदों की उड़ान, उत्साह की बयार और अवसरों की बहार लेकर आया। विश्वविद्यालय परिसर के फामेर्सी विभाग में आयोजित इस रोजगार मेले ने आज न केवल छात्रों को करियर की नई दिशा दी, बल्कि पूर्वांचल की प्रतिभाओं को प्रतिष्ठित कंपनियों से सीधे जोड़ने का सेतु भी रचा। कंपनी के सामने विद्यार्थियों ने बड़े ही आत्मविश्वास के साथ सवालों का जवाब दिया। शुक्रवार को तकरीबन 300 से भी अधिक विद्यार्थी साक्षात्कार के लिए आए। सुदूर गांवों से लेकर विकसित नगरों तक के दर्जनों महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं आज रोजगार की इस सुनहरी मंज़िल की ओर कदम बढ़ाते दिखे। टी.डी. कॉलेज, राज कॉलेज, मोहम्मद हसन पी.जी. कॉलेज, गलगोटियास यूनिवर्सिटी, कुटीर पी.जी. कॉलेज, नागरिक डिग्री कॉलेज समेत कई संस्थानों से आए छात्रों ने पूरे मनोयोग से साक्षात्कार प्रक्रिया में भाग लिया। जैसे फूलों से सजी वाटिका में भौरों की गूंज होती है, वैसे ही विश्वविद्यालय परिसर युवा ऊर्जा से गूंज उठा। प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधियों ने छात्रों से सीधे संवाद किया और उनकी प्रतिभा एवं कौशल का मूल्यांकन किया। छात्रों के हौसले, व्यक्तित्व और दक्षता ने कंपनियों को प्रभावित किया। विश्वविद्यालय की सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं, शांत शैक्षणिक वातावरण और अनुशासित प्रक्रिया को देखकर प्रतिभागी छात्रों ने इसे आदर्श शिक्षण संस्थान की संज्ञा दी।

रोजगार मेले में हिस्सा ले रहे कई छात्रों ने कहा कि वे अब स्नातकोत्तर की शिक्षा पूर्वांचल विश्वविद्यालय से ही लेना चाहेंगे। जहां एक ओर विश्वविद्यालय शिक्षा का मंदिर बनकर युवा मनों को संस्कारित कर रहा है, वहीं दूसरी ओर यह रोजगार के अवसरों की भूमि बन चुका है।

जॉब फेयर को सफल और सुव्यवस्थित ढंग से कराने में केंद्रीय प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. अविनाश पाथर्डीकर संयोजक प्रो. प्रदीप कुमार उप समन्वयक सुशील कुमार, डॉ नीतेश कुमार, दीप सिंह, जया शुक्ला, श्यामजी त्रिपाठी समेत टीम के सभी सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करतीं रहीं कुलपति

कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने रोजगार मेले की हर गतिविधि की जानकारी लेकर छात्रों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें आशीर्वाद स्वरूप शुभकामनाएं दीं। विश्वविद्यालय के IQAC एक्सटर्नल मेंबर श्री विनीत सिंह ने प्लेसमेंट सेल और कंपनियों के बीच समन्वय स्थापित करने में सराहनीय भूमिका निभाई।रोजगार मेले की सफलता इस बात का प्रतीक है कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय अब केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि रोजगार की राह दिखाने वाला प्रकाश स्तंभ बन चुका है। जो छात्र उज्जवल भविष्य की तलाश में हैं, उनके लिए यह विश्वविद्यालय अब पहली पसंद बनता जा रहा है।

يسرٰی حکیمی دواخانہ
Regd.No20230048
युसरा हकीमी दवाखाना
हमारी कोशिश, आपका विश्वास...
उपलब्ध सुविधायें-
- गठिया व जोड़ो के दर्द का इलाज
- बवासीर का इलाज बगैर आपरेशन के
- चर्म रोग व पेट की तमाम बीमारियों का इलाज
- बालों का झड़ना, सफेद दाग मुहासे व छाइयों का इलाज होता है ।
- नि:संतान का अचूक इलाज
- शुगर कन्ट्रोल का इलाज

मंगलवार बंदी बाक़ी दिन का सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक
Mob.: 9198443844, 8960275665
नोट- पुरुषों व महिलाओं के गुप्त रोगों से सम्बन्धित सभी प्रकार के रोगों का ईलाज किया जाता है ।
अब हर जुमा को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक
सफेद दाग के मरीजों को मुफ्त दवा मिलेगी यह सन् 2025 के अन्त तक जारी रहेगा।
पता- बड़ी मस्जिद, पूर्वी गेट के सामने जौनपुर (उ.प्र.)

राज कुमार सोनी को झांसी सोनी समाज ने किया सम्मानित

झांसी। सर्व स्वर्णकार महिला उत्थान समिति के द्वारा 30 नम्बर 2025 को हो रहे आदर्श विवाह सम्मेलन का जबलपुर में प्रचार प्रसार निरंतर हो रहा है आज झांसी यूपी स्वर्णकार समाज को आमंत्रित किया गया साथ ही स्वर्णकार विवाह मंच के संचालक राजकुमार सोनी द्वारा समाज में अनोखा प्रयास समाज को एक करने के लिए किया जा रहा है। झांसी यूपी स्वर्णकार समाज द्वारा सभी का फूल माला पहनाकर सम्मान किया गया। स्वर्णकार विवाह मंच के संस्थापक संचालक राजकुमार सोनी , अध्यक्ष श्रीमती मंजू पंकज सोनी जबलपुर, श्रीमती सुनीता सोनी गंजबासौदा, श्रीमती अनीता सोनी कटनी से झांसी पधारे जिसमें डॉ अनिल कुमार सोनी , शारदा शंकर सोनी ,राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सोनी, अशोक कुमार सोनी , कैलाश सोनी , आंनद रवि सोनी गार्ड , राजू सोनी , रम्मू सोनी इत्यादि ने फूल माला पहनाकर कर राजकुमार सोनी का भव्य स्वागत किया एवं सभी पदाधिकारियों का झांसी आगवन पर धन्यवाद व्यक्त किया द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। सभी स्वर्णकार समाज उपस्थित रहे।

नागरिकों की समस्याओं और उनके पुनर्वसन को लेकर हस्ताक्षर अभियान हेतु बैठक

दहिसर, मुंबई। संजय गांधी नेशनल पार्क से सटे केतकीपाड़ा के नागरिकों की समस्याओं के हल और उनके पुनर्वसन को लेकर विचार मंथन तथा हस्ताक्षर अभियान शुरू करने के लिये एक सभा का आयोजन दहिसर के कनाडे मैदान, केतकीपाड़ा में किया गया।

इस आयोजन में उप-नगर के पालक मंत्री एड. आशिष शेलार के साथ उत्तर मुंबई के जनसेवक पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने उपस्थिती दर्ज कराई और नागरिकों की विशाल भीड़ को संबोधित किया।

बता दें कि केतकीपाड़ा सहित वन विभाग से सटे दामू नगर और फिल्मसिटी सहित अनेक इलाकों के निवासी हजारों नागरिकों को न्याय और उनका हक दिलाने के लिए जनसेवक गोपाल शेट्टी वर्षों से संघर्ष की राह पर रहे हैं और अंततः यह सिद्ध करने में भी सफल हुए कि संजय गांधी से सटे केतकीपाड़ा और

अन्य इलाकों के नागरिक जहां रह रहे हैं वह जमीन पहले से उनके अधिकार क्षेत्र में थी, बाद में उसे वन विभाग में शामिल कर लिया गया था। जिसके कारण वहाँ के नागरिकों पर हमेशा ही वन विभाग द्वारा तोड़क कार्रवाई शुरू करने की तलवार लटकती रहती थी। अंततः जनसेवक गोपाल शेट्टी के प्रयास से व महाराष्ट्र के यशस्वी मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़वणीस के सहयोग और दखल देने से यह सिद्ध हो गया कि केतकीपाड़ा की जमीन वन विभाग की है ही नहीं। वन विभाग में होने की घोषणा से पूर्व से ही वहां के लोग केतकीपाड़ा में रहते आये हैं। इसप्रकार अब वहाँ वन विभाग की तोड़क कार्रवाई नहीं हो सकती है। अब यहां के नागरिकों के पुनर्वसन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन 'हर नागरिक को स्वयं का पक्का घर' मिलने में ज्यादा देर नहीं है।

इस विचार मंथन सभा और हस्ताक्षर अभियान की शुरूवात के अवसर पर जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ-साथ विधान परिषद में गट नेता विधायक प्रविण दरेकर, उत्तर मुंबई के जिलाध्यक्ष दिपक बाला तावडे, प्रकाश दरेकर, गणेश खणकर , पूर्व नगरसेवक कमलेश यादव व राज प्रकाश सुर्वे सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महाराजगंज थाना का नए थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर हुए संजीत कुमार

सिवान (उत्तरशक्ति)। सिवान बिहार के महाराजगंज स्थानीय थाना के नए थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर संजीत कुमार को बनाया गया है, संजीत कुमार को नया थानाध्यक्ष बनाए जाने से आम जनता में पुलिस के प्रति नया विश्वास बढ़ा है . विगत माह में कुछ आपराधिक घटनाओं को लेकर महाराजगंज थाना क्षेत्र चर्चा में था . लेकिन अब नए थानाध्यक्ष को नए चुनौतियों को संभालना है, जनता को निर्भीक माहौल और शराब बिक्री पर रोक लगाने की उम्मीद बढ़ी है।

दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने वाले 02 बाल अपचारी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना जफराबाद पुलिस टीम द्वारा दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने वाले 02 बाल अपचारी को 12 घण्टे के अन्दर गिरफ्तार किया गया । वादिनी द्वारा लिखित तहरीर दी गयी कि आरोपी द्वारा मेरी पुत्री के साथ दुष्कर्म कर वीडियो बनाकर वायरल किया गया। उक्त लिखित तहरीर के आधार पर दिनांक-12.06.2025 को मुकदमा पंजीकृत किया गया ।गिरफ्तारी का विवरण दिनांक 13.06.2025 को प्र0नि0 विश्वनाथ प्रताप सिंह मय हमराह द्वारा मुकदमा उपरोक्त में वांछित 02 बाल अपचारी को मुखबिर की सुचना पर आज दिनांक 13.06.2025 को हौज तिराहे से गिरफ्तार कर थाना स्थानीय पर लाकर अन्य अग्रिम विधिक कार्यवाही किया जा रहा है ।

लाखों लोगों को पीएम के कार्यक्रम में शामिल होने का दिया जाएगा आमंत्रण पत्र

सिवान (उत्तरशक्ति)। सिवान बिहार महाराजगंज स्थानीय बीजेपी सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल ने बुधवार को कहा कि 20 जून को सीवान में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में चलने के लिए जिला सीवान पूर्वी भाजपा संगठन के कार्यकताओं द्वार लाखों लोगों को निमंत्रण पत्र दिया जाएगा। इससे पहले उन्होंने महाराजगंज अनुमंडलीय शहर में आमंत्रण पत्र बांटने का कार्य कार्यकताओं के साथ किया। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 11 साल के कार्यकाल में गरीबों, किसानों, महिलाओं सहित विभिन्न वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करने के साथ ही भारत की गरिमा को विश्व पटल पर कायम किया है। एनडीए कार्यकर्ता पीएम मोदी के कार्यक्रम को सफल करने के लिए आज से पूर्वी सीवान जिला संगठन क्षेत्र में आमंत्रण पत्र का वितरण करेंगे।

उन्होंने बाजार के एक- एक दुकानदार से संपर्क कर स्वयं अपने हाथों से आमंत्रण पत्र दिया। मौके पर पूर्वी बीजेपी के जिलाध्यक्ष रणजीत प्रसाद, उपाध्यक्ष संजय कुमार,, महाराजगंज के पूर्व जदयू विधायक हेमनरायण साह, बीजेपी के नेता अवधेश पांडेय, जदयू के वरीय नेता डॉ अभय कुमार सिंह,महाराजगंज नगर के मंडल अध्यक्ष अमरजीत कुशवाहा, बीजेपी नेत्री सुप्रिया कुमारी, प्रेस प्रवक्ता दिलीप कुमार सिंह, मोहन कुमार पद्माकर, चंदन दुबे,अरविंद कुमार सिंह, चंदन कुमार राम, बीजेपी के त्रिपुरारी शरण , अजय कुमार सिंह, गुड्डू कुमार सिंह, शेषनाथ सिंह, बलिराम प्रसाद, शिकू श्रीवास्तव, मंटू द्विवेदी, आदि बीजेपी के कार्यकर्ता शामिल थे।

परमा का पूरा निवासी उदित नारायण शुक्ला नहीं रहें

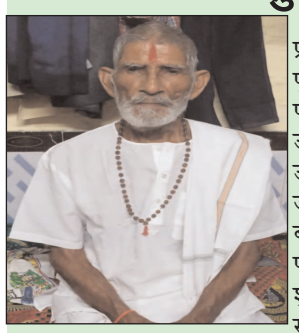

प्रतापगढ़ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश जनपद प्रतापगढ़ , गांव परमा का पूरा , फतनपुर , तहसील रानीगंज, ग्राम परमा का पूरा के निवासी समाजसेवी उदित नारायण शुक्ला (झूरई शुक्ल) उम्र 90 वर्ष के आयु में दिनांक 13 जून 2025 दिन शुक्रवार को प्रातः 4 बजे अपने आवास पर अंतिम सांस ली। पंडित उदित नारायण शुक्ला (झूरई शुक्ल) एक मिलनसार सरल सौम्य स्वभाव और तेजतर्रार के व्यक्ति थे । उनके निधन पर गांव में शोक की लहर दौड़ पड़ी है। बताया जाता है उनका अंतिम संस्कार प्रयागराज घाट पर उनके बड़े पुत्र दयाशंकर शुक्ल (नन्हें) ने मुखाग्नि दे कर अंतिम संस्कार किया। जिसमे बडे , पुत्र दयाशंकर शुक्ल नन्हे , नंदकिशोर शुक्ल , अशोक शुक्ला, नंदलाल शुक्ल , अरविंद शुक्ल , उमाशंकर , रामबाबू शुक्ल विजय शंकर, नाती राजू शुक्ल , पंकज , राजन , संतोष , मोनू , आशिष, हरिओम , शिवओम, सुनील, राज, बब्बू , विक्रमदित्य , सूरत से छबिले दुबे ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है। उदित नारायण शुक्ला झूरई ने नाती, पोते भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। परमा का पूरा निवासी रूद्र प्रसाद द्विवेदी , अनिल द्विवेदी ने मुम्बई से और ग्राम रोहियांव निवासी प्रेम चंद मिश्रा, विजय चंद मिश्रा रिंकू , फूल चंद मिश्रा सहित कई लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक प्रकट किया। लोगों ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए दिवंग आत्मा को ईश्वर शांति एवं शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। बता दें उदित नारायण शुक्ला झूरई दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा के बड़े जीजा थे।

तहसीलदार से प्रमाण पत्र शिविर लगाने की मांग

वसई रोड। भारतीय जनता पार्टी वसई रोड मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर ने मांग की है कि वसई स्टेशन क्षेत्र में प्रमाण पत्र शिविर का आयोजन किया जाए, ताकि विद्यार्थियों के अभिभावकों को शैक्षणिक प्रवेश प्रक्रिया के लिए आवश्यक शैक्षणिक प्रमाण पत्र शीघ्र और तीव्र गति से प्राप्त हो सकें।

वसई तालुका में कॉलेज प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। कॉलेज प्रवेश प्रक्रिया के दौरान विद्यार्थियों को आवेदन के साथ तहसील कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए विभिन्न प्रमाण पत्रों की आवश्यकता होती है। विद्यार्थियों को कॉलेज प्रवेश आवेदन के साथ आय प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, गैर-क्रीमीलेयर प्रमाण पत्र जैसे प्रमाण पत्रों की आवश्यकता होती है। इन प्रमाण पत्रों के लिए विद्यार्थी अभिभावकों को वसई तहसीलदार कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं। इसके कारण वसई स्टेशन क्षेत्र में विद्यार्थी अभिभावकों को आर्थिक और मानसिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। वसई रोड स्टेशन क्षेत्र में तहसीलदार कार्यालय की ओर से प्रमाण पत्र शिविर का आयोजन करने से वसई रोड क्षेत्र में विद्यार्थी अभिभावकों को राहत मिलेगी। यह बात महेश सरवणकर ने तहसीलदार को दिए गए बयान में कही।

विधायक सुरेश राजे बोले- मेरे पास 4 साल का लेखा-जोखा, जिसको संदेह वह आकर मिले

डबरा। जनता के सुख-दुख में सदैव साथ हूं और हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार हूं। सेवा ही मेरा धर्म है। ये कहना है कि डबरा से कांग्रेस विधायक सुरेश राजे का। दरअसल, इन दिनों सोशल मीडिया पर उनके गुमशुदा होने के पोस्टर तेजी से वायरल हो रहे हैं। इन पोस्टरों में तरह-तरह के आरोप लगाकर उनकी गैरमौजूदगी पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। लेकिन अब विधायक सुरेश राजे ने मीडिया के सामने आकर सभी आरोपों का जवाब देते हुए खुद को जनता का सेवक बताया।

डबरा के सराफा बाजार में विधायक सुरेश राजे लोगों से मिले और कहा कि जो लोग खुद जनता के बीच से गायब हैं, वही लोग मुझे लापता बता रहे हैं। उन्होंने कहा- ₹मैं प्रतिदिन अपने विधानसभा क्षेत्र में उपस्थित रहता हूं। चाहे सदन हो या क्षेत्र, मैंने एक भी दिन का अवकाश नहीं लिया है। पिछले साढ़े चार वर्षों का पूरा लेखा-जोखा मेरे पास है। यदि किसी को संदेह हो तो वह मेरे पास आकर मुझसे सवाल कर सकता है, मैं हर दिन का हिसाब देने के लिए तैयार हूं। भीषण गर्मी में बिजली संकट, सड़कों की दुर्दशा और सफाई व्यवस्था जैसे मुद्दों पर भी विधायक सुरेश राजे ने खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि बिजली संकट को लेकर उन्होंने पहले ही विभागीय अधिकारियों को कई बार ज्ञापन सौंपे हैं और धरना-प्रदर्शन भी किया है। लेकिन अफसोस की बात है कि डबरा में दो बार ऊर्जा मंत्री के निरीक्षण के बावजूद समस्या का निराकरण नहीं हुआ।₹यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब ऊर्जा मंत्री डबरा आए, उस समय भी मैं क्षेत्र में ही था लेकिन अधिकारियों द्वारा व्यवस्थाओं में कोई ठोस सुधार नहीं किया गया।

बता दें कि हाल ही में डबरा से विधायक सुरेश राजे के लापता होने के पोस्टर लगाए गए थे जो तेजी से वायरल हो रहे हैं। पोस्टरों में लिखा गया है कि विधायक जनता के मुद्दों पर चुप रहते हैं और अनावश्यक विषयों पर सक्रिय रहते हैं। वहीं जानकारी देने वाले को इनाम देने की भी घोषणा की गई है।

हजरत शेख मोहम्मद फाजिल शाह का सालाना उर्स संपन्न

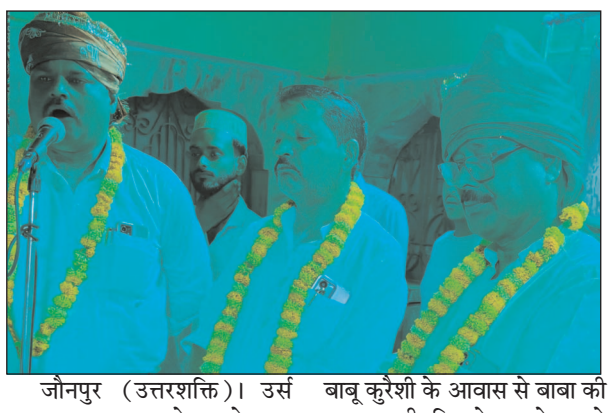

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उर्स मुबारक हजरत शेख मोहम्मद फाजिल शाह (र.अ) का सालाना उर्स बडी ही शानो शौकत के साथ मनाया गया। उर्स का आगाज बाद नमाज फजीर तेलावत-ए-कुरान पाक से हुआ,बाद नमाज जोहर दो बजे लंगर का आयोजन हुआ जिसमे सभी जायरीन ने बाबा का लंगर खाया,बाद नमाज असर शाम को बाबू कुरैशी के आवास से बाबा की चादर उठी जिसमे अपने पुराने रवायत के मुताबिक शेख मोहामीद, मखदूम शाह आडंन, आलम खा से होती हुई बाद नमाज मगरिब चादर पोशी की रस्म पूरी हुई। बाद नमाज मगरिब कौमी-एकता-कॉन्फ्रेंस मुनअकिद हुआ जिसमें मुख्य अतिथि संजीव यादव एडवोकेट, लाल मोहम्मद राईनी,डॉ० हसीन बब्लू (सीनियर सभाषद न०प०प०जौनपुर) चंद्ररेश यादव (एडवोकेट) ने एक स्वर में कहा कि हजरत से हमलोगों की आस्था जुड़ी हुई है और ऐसे प्रोग्राम से देश मे एकता और भाईचारा का संदेश जाता है। लालमोहम्मद राईनी ने कहा बाबा के दरबार मे हजारो लाखो की संख्या में जायरीन आते है और बाबा अपने हिफ्जों अमान से सभी पर अपना करम फरमाते है।हमे बुजुर्गों के बताए हुए रास्ते पर चलना चाइये।दरगाह कमेटी के अध्यक्ष अरशद कुरैशी और महासचिव साहिल इब्राहिम ने आये हुए सभी मेहमानों का आभार व्यक्त किया। बाबू कुरैशी, सगीर कुरैशी,अर्शी कुरैशी,इरफान कुरैशी,आसिफ कुरैशी,सुजल कुरैशी,इस्माइल कुरैशी,सेराज समानी,कमरुद्दीन खा, बब्लू बाबा,हाजी इमरान, आदि लोग मौजूद रहे।

प्रेमभूषण महाराज के घर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक की आत्मीय मुलाकात

-लाल शेखर सिंह

कानपुर- (उत्तर शक्ति)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक का पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज के निवास पर आगमन हुआ। इस अवसर पर पूज्यश्री परिवार ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।इस सस्नेह भेंटवार्ता के दौरान पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज से उपमुख्यमंत्री की धार्मिक, सामाजिक और राष्ट्रीय विषयों पर चर्चा हुई। पूज्यश्री ने राजनीति में आयी भाषाई रुग्णता और स्वार्थ परक व्यवहार को समाज और राष्ट्र के लिए घातक बतलाते हुए कहा कि, इससे सभी को बचना चाहिए।रामचरितमानस को लोक कल्याणकारी ग्रंथ की संज्ञा प्रदान करते हुए कहा कि, इसमें मानवीय जीवन व्यवहार के उच्चतम आदर्शों के दर्शन होते हैं।जातिवाद, भाषा वाद, क्षेत्रवाद से परे यह रामकथा चरित्रवाद और राष्ट्रवाद का पोषक एवं प्रकाशक है, इसके आश्रय में रह कर जीवन को तीनों तापों से मुक्त रखा जा सकता है। गौरतलब है कि₹आओ गायें रामकथा घर घर मेंर इस आध्यात्मिक आंदोलन के प्रणेता,मानस के सिद्ध साधक, व्यवहार घाट के ओजस्वी वक्ता के रूप में लोकप्रिय पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज विगत कई वर्षों से देश-विदेश तकअपनी रामकथा गायन यात्रा से सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार का पुनीत कार्य करते चले आ रहे हैं।पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज के मीडिया प्रभारी दिनेशप्रताप सिंह के अनुसार कुशल क्षेम लेने आये प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक को पूज्यश्री ने अपने लोकप्रिय ग्रंथ ₹आओ गायें रामकथा घर घर मेंर की प्रति और रामनामी भेंट करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। यह जानकारी वरिष्ठ पत्रकार लाल शेखर सिंह ने दी है।

हज यात्रियों की पहली वापसी उड़ान पहुंची लखनऊ, राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने किया स्वागत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुश्री अनिता ने अवगत कराया है कि हज-2025 के लखनऊ उड़ान स्थल से गए हज यात्रियों की पहली वापसी उड़ान आज तड़के लखनऊ पहुंची। जेद्दा से चलकर आई उड़ान संख्या रश-3106 निर्धारित समय 00:25 के बजाय 00:05 बजे चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी। इस फ्लाइट से 288 हज यात्री सकुशल लौटे। एयरपोर्ट पर यात्रियों के स्वागत के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री (अल्पसंख्यक कल्याण) एवं राज्य हज समिति के अध्यक्ष जनाब दानिश आजाद अंसारी स्वयं मौजूद रहे। उन्होंने सभी यात्रियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और फूल भेंट कर उन्हें बधाई दी। मंत्री दानिश आजाद ने यात्रियों से बातचीत कर उनकी कुशलक्षेम पूछी और हज यात्रा के दौरान मिली सुविधाओं का फीडबैक भी लिया। यात्रियों ने मिना, अराफात और मुजदलिफा में की गई व्यवस्थाओं की विशेष सराहना की और हज यात्रा की संपूर्ण प्रक्रिया को सुविधाजनक एवं संतोषजनक बताया। उन्होंने उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति की सेवाओं और स्टेट हज इंस्पेक्टर की तत्परता की भी प्रशंसा की। मंत्री के साथ नवगठित राज्य हज समिति के सदस्यगण जनाब वली मोहम्मद, नदीमुल हसन, सैयद अली वारसी, हाफिज एजाज अहमद, कल्बे हुसैन, मोहम्मद इफ्तेखार हुसैन, कामरान खान, जुनैद अहमद अंसारी, जावेद कमर खान और कमरुद्दीन (जुगनू) भी एयरपोर्ट पर मौजूद रहे। दूसरी वापसी उड़ान रश-3108 भी आज सुबह 5:22 बजे लखनऊ पहुंची, जिसमें 287 हज यात्री लौटे। इस अवसर पर सचिव/कार्यपालक अधिकारी एस.पी. तिवारी, विशेष कार्याधिकारी मोहम्मद जावेद खान, प्रशासनिक अधिकारीआरिफ रऊफ सहित अन्य कर्मचारी और बड़ी संख्या में वालंटियर्स यात्रियों की सहायता के लिए मौजूद रहे।

28 वर्षीय विवाहिता ने फांसी लगाकर मौत को लगाया गले

डॉ.एस.के.मिश्र/ वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के चेतगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत सेनपुरा, यादव होटल के पीछे, 28 वर्षीय रिंकी कनौजिया ने शुक्रवार सुबह अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। रिंकी की शादी करीब सात साल पहले हुई थी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू की। प्रारंभिक जांच में यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।घर के सदस्यों ने बताया कि रिंकी ने सुबह के समय फांसी लगाई, जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। वहीं, रिंकी के मायके पक्ष ने आरोप लगाया कि ससुराल में आए दिन झगड़े और मारपीट होती थी। उन्होंने दहेज मांगने और रिंकी को प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया है। साथ ही, यह भी बताया गया कि रिंकी का किसी बीमारी के लिए इलाज चल रहा था। चेतगंज थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि मायके पक्ष की तहरीर के आधार पर दहेज प्रताड़ना और अन्य आरोपों की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गोमती नदी में डूबने से युवक की मौत

-रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।लाइन बाजार थाना क्षेत्र के कलीचाबाद गांव स्थित बारादरी घाट के पास एक युवक की गोमती नदी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।सूत्रों के मुताबिक शहर कोतवाली क्षेत्र के शेख मोहम्मीद मोहल्ला निवासी मोहम्मद मोहसिन खान उर्फ शानू उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र बदरे आलम गुरुवार तीसरे पहर अपने कुछ मित्रों के साथ प्रेमराजपुर घाट के पास नहाने गया था। इसी दौरान किसी मित्र को डूबता देख उसको बचाने में यह गोमती नदी में डूब गया हालांकि साथ गए सारे लोग चले आए लेकिन इसकी लाश भी नहीं मिली परिजन लोगों को जानकारी होने पर परिजन ने पुलिस को सूचना देकर उसकी लाश ढूंढने के लिए जुट गए। हालांकी शुक्रवार सुबह लाइन बाजार थाना क्षेत्र के कलीचाबाद बारादरी घाट के पास से एक गोताखोर ने उसके शव को नदी से निकाल कर प्रेमराजपुर घाट के पास लाकर सौंप दिया। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने घटना स्थल को लाइन बाजार क्षेत्र का बताते हुए कार्रवाई से इनकार किया तो मृतक के परिजन लाइन बाजार थाना पहुंचकर जानकारी दिए। यहां पर पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज में वृहद रोजगार मेले का हुआ आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मोहम्मद हसन पोस्टग्रेजुएट कॉलेज, जौनपुर में दिनांक 17 मई 2025 को एक वृहद रोजगार मेले का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर कई प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया, जिनमें प्रमुख रूप से उत्कर्ष माइक्रो फाइनेंस बैंक, सेफ एक्सप्रेस कंपनी, ओम लॉजिस्टिक कंपनी, एचडीएफसी बैंक एवं एक्सिस बैंक शामिल रहीं।रोजगार मेले में कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कंपनियों के प्रतिनिधियों को प्रभावित किया। उत्कर्ष माइक्रो फाइनेंस बैंक द्वारा कुल 30 अभ्यर्थियों का चयन किया गया, वहीं सेफ एक्सप्रेस कंपनी में 13 अभ्यर्थियों को अवसर मिला। ओम लॉजिस्टिक कंपनी ने 2 अभ्यर्थियों का चयन किया। इसके साथ ही एचडीएफसी बैंक में 16 अभ्यर्थियों की स्क्रीनिंग हुई जबकि एक्सिस बैंक में 1 अभ्यर्थी की स्क्रीनिंग की गई। इन अभ्यर्थियों को अब दूसरे राउंड की स्क्रीनिंग और इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा।इस उल्लेखनीय सफलता पर महाविद्यालय परिवार में खुशी की लहर है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खाँ ने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में यदि छात्र-छात्राएं मेहनत और लगन से तैयारी करें तो निश्चित ही उन्हें सफलता प्राप्त होगी।प्राचार्य ने यह भी जानकारी दी कि आगामी जुलाई माह के प्रथम सप्ताह में एक और वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश की नामी कंपनियाँ भाग लेंगी। उन्होंने छात्र-छात्राओं से इस अवसर का भरपूर लाभ उठाने की अपील की ताकि वे अपने करियर को नई दिशा दे सकें।